भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड , आगरा (उ.प्र.) एवं धौलपुर (राजस्थान) से एक साथ प्रसारित

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 110 | मुरैना,बुधवार 29 जुलाई 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

कलमी क्षेत्र में कलेक्टर ने देखा सलई गोंद संग्रहण, बोले– वनोपज को आजीविका से जोड़ने के लिए बने कार्ययोजना

पेज : 03

गुरु पूर्णिमा : भगवा ध्वज से गुरु दक्षिणा तक समर्पण, संस्कार और राष्ट्रसेवा

पेज : 04

दतिया उपचुनाव : भाजपा ने विकास के नाम पर मांगा जनसमर्थन, कांग्रेस पर साधा निशाना

पेज : 06

गायत्री प्रज्ञापीठ पर गुरू पूर्णिमा महापर्व एवं श्रद्धांजलि-समर्पण समारोह आज

पेज : 07

दिल्ली में महिलाओं को रक्षा बंधन से हर महीने मिलेंगे 2500 रुपये

- दिल्ली लक्ष्मी योजना पोर्टल के जरिए 01 अगस्त से कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में मंगलवार को ऐतिहासिक कदम उठाते हुए दिल्ली लक्ष्मी योजना (डीएलवाई) को स्वीकृति दे दी। इस योजना के लिए आवेदन की प्रक्रिया 'दिल्ली लक्ष्मी योजना पोर्टल' के माध्यम से ऑनलाइन होगी। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत एक अगस्त से की जाएगी, जिसके माध्यम से पात्र महिलाएं आवेदन कर सकेंगी। रक्षाबंधन 28 अगस्त को है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में योजना के दिशा-निर्देशों को स्वीकृति प्रदान की गई। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक रूप से सशक्त करना है। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इसके लिए 5,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और इससे दिल्ली की 17 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली लक्ष्मी योजना की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बहनों के आर्थिक स्वावलंबन के लिए सरकार ने जो संकल्प लिया था, आज उसे पूरा कर दिया गया है। इस योजना के तहत सभी पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह योजना लाखों महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिखेगी। दिल्ली सरकार ने अपने कार्यकाल के केवल सवा वर्ष के भीतर महिलाओं से किया गया यह महत्वपूर्ण वादा पूरा किया है। उन्होंने दिल्ली की सभी महिलाओं को इस ऐतिहासिक निर्णय पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सरकार जनता के आशीर्वाद से बनी है और सदैव जनहित एवं महिला हित में कार्य करती रहेगी।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल मिश्रा, डॉ. पंकज सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जिम्मेदारी और महिलाओं के समग्र विकास को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। योजना के तहत बच्चों का स्कूल में नामांकन, अपार आईडी, आभा आईडी, समय पर टीकाकरण और पोषण ट्रैकर पर पंजीकरण जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। महिलाओं को 'एक पेड़ मां के नाम', स्वच्छ भारत अभियान तथा सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न करने जैसे जनहित अभियानों से भी जोड़ा जाएगा। साथ ही उन्हें स्वयं सहायता समूहों और कौशल प्रशिक्षण से जुड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि वे आर्थिक रूप से और अधिक सक्षम बन सकें।

योजना की विशेषताएं-

इस योजना का लाभ 21 वर्ष से 60 वर्ष तक की पात्र महिलाओं को मिलेगा, जिनके परिवार की कुल वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये तक है।

योजना प्रारंभिक रूप से लागू होने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए संचालित की जाएगी। उसके बाद इसमें संभावित परिवर्तन करके योजना को जारी रखा जाएगा।

योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये प्राप्त करने के लिए दो विकल्प होंगे।

पहले विकल्प में 1,500 रुपये आरडी/एफडी के रूप में जमा किए जाएंगे, जबकि 1,000 रुपये सीबीडीसी डिजिटल रुपया वॉलेट में दिए जाएंगे। डिजिटल वॉलेट में मिलने वाली राशि का उपयोग सरकार द्वारा निर्धारित नेगेटिव लिस्ट के अनुसार केवल अनुमत वस्तुओं और सेवाओं पर ही किया जा सकेगा।

दिल्ली के नरेला में नकली दवाओं का बड़ा रैकेट पकड़ा गया

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने हरियाणा के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के साथ मिलकर दिल्ली के नरेला में दो दिनों तक एक बड़ा एनफोर्समेंट ड्राइव चलाया। इस दौरान एक रिहायशी अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में चल रहे अवैध ड्रग्स बनाने और उनका स्टॉक करने वाले से जुड़े एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया गया।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि इस अभियान के दौरान भारी मात्रा में संदिग्ध नकली दवाएं, एनाबॉलिक स्टेरॉयड, केमिकल रॉ मटीरियल, मैन्युफैक्चरिंग उपकरण, पैकेजिंग मटीरियल और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए गए। यह कार्रवाई खास खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी, जिसमें उस जगह से नकली दवाओं और अवैध दवाओं की संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली थी।

अभियान के पहले दिन जॉइंट एनफोर्समेंट टीम ने एक रिहायशी अपार्टमेंट के अंदर बिना लाइसेंस के चल रहे मैन्युफैक्चरिंग और पैकेजिंग सेटअप का खुलासा किया। अधिकारियों ने मौके से सीलिंग मशीनें, हाथ से चलने वाले सील क्रिम्पिंग डिवाइस, हीट गन, इलेक्ट्रिक स्टिरर, सटीक वजन करने वाली मशीनें, इंडस्ट्रियल फिल्टर पेपर, ग्लास के बीकर, रबर क्लोजर और फ्लिप-ऑफ कैप बरामद किए।

इसके अलावा टीम ने बड़ी संख्या में बिना लेबल वाली खुली गोलियां, जिनके टोफैसिटिनिब होने का शक है, एनाबॉलिक स्टेरॉयड की लिक्विड शीशियां (जिनमें बोल्डनोन, मास्टरोन और टेस्टोस्टेरोन विभिन्न प्रकार शामिल हैं) और दवा बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई तरह के केमिकल सॉल्यूशन भी जब्त किए।

निरीक्षण के दौरान परिसर में मौजूद व्यक्ति ने अधिकारियों को बताया कि यह अपार्टमेंट एलोपैथिक दवाओं के स्टॉक और पैकेजिंग के लिए किराए पर लिया गया था। उसने दावा किया कि यह काम अन्य लोगों द्वारा किया जा रहा था, जिसका कथित तौर पर सोनीपत की एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से संबंध था। हालांकि, जांच टीम के सामने कोई वैध ड्रग लाइसेंस, खरीद का रिकॉर्ड या स्टॉक रजिस्टर पेश नहीं किया जा सका।

संक्षिप्त समाचार

प्रकृति संरक्षण में ही मानवता का कल्याण निहित : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रकृति के संरक्षण और उसके सम्मान को मानवता के कल्याण का आधार बताते हुए मंगलवार को एक्स पर सुभाषितम् साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा मनुष्य को प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने की प्रेरणा देती है। प्रधानमंत्री ने लिखा, 'प्रकृति के संरक्षण और सम्मान में ही मानवता का कल्याण निहित है। हमारी परंपरा भी हमें इसी धर्मसम्मत आचरण की प्रेरणा देती है। ' वह सुभाषितम् है, 'लोकपालाश्च ते सर्वे वासवप्रमुखास्तथा। ऋतवः षट् च ते सर्वे मासाः संवत्सराः क्षपाः॥ दिनानि च मुहूर्ताश्च स्वस्ति कुर्वन्तु ते सदा। श्रुतिः स्मृतिश्च धर्मश्च पातु त्वां पुत्र सर्वतः॥' इसका अर्थ है कि प्रकृति, समय और धर्म के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीना ही सुख, शांति और समृद्धि का मार्ग है। इसमें कामना की गई है कि दिशाओं के रक्षक देवता, इंद्र सहित सभी देवगण, वर्ष की छहों ऋतुएं, सभी महीने, दिन, रात्रियां और प्रत्येक शुभ मुहूर्त व्यक्ति के जीवन में मंगल और कल्याण लाएं। साथ ही वेद, स्मृतियां और धर्म हर परिस्थिति में उसकी रक्षा करें।

जम्मू से 3029 तीर्थयात्री अमरनाथ रवाना

जम्मू, 28 जुलाई (हि.स.। 3,029 तीर्थयात्रियों का नया जत्था मंगलवार तड़के जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कश्मीर में बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार 21वां जत्था सुबह 2:45 बजे 151 गाड़ियों के काफिले में रवाना हुआ जिसमें 57 बसें, 30 मीडियम मोटर वाहन, 58 लाइट मोटर वाहन और छह दोपहिया वाहन शामिल थे। इस जत्थे में 2,310 पुरुष तीर्थयात्री, 590 महिलाएं, 14 बच्चे, 45 साधु, 40 साध्वियां और 30 विदेशी पुरुष तीर्थयात्री शामिल हैं। आज भी पहलगाम रूट के लिए कोई काफिला तय नहीं था। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों का जत्था मल्टी-लेयर सुरक्षा के बीच बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि इस नए जत्थे के रवाना होने के साथ ही इस साल सालाना श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू बेस कैंप से निकलने वाले तीर्थयात्रियों की कुल संख्या 1,30,355 हो गई है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने पर कई नई पहल शुरू कीं

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति पद पर चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में कई नई जनोन्मुखी पहलों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति भवन से जुड़े पांच प्रकाशनों का विमोचन किया गया, ई-उपहार के तीसरे संस्करण का शुभारंभ हुआ तथा ई-ऑडियो गाइड, निःशुल्क इलेक्ट्रिक बस सेवा 'राही' और बच्चों के लिए 'बचपन-बाल परिसर' का उद्घाटन किया गया।

समारोह में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मुर्मु को उनके राष्ट्रपति कार्यकाल पर आधारित प्रकाशनों की प्रथम प्रतियां भेंट कीं और उनका औपचारिक विमोचन किया। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन भी उपस्थित रहे।

विमोचित प्रकाशनों में 'राष्ट्रपति भवन : राष्ट्र का भवन', 'सेवा और संवेदना', 'समावेशी सहभागिता', 'भारतीयता का उत्सव' तथा ओड़िया भाषा में प्रतिष्ठित व्यक्तियों के लेखों का संकलन 'आमा राष्ट्रपति-आमा गौरव' शामिल हैं।

इस मौके पर राष्ट्रपति ने भरोसा जताया कि इन सचित्र प्रकाशनों से पाठकों को राष्ट्रपति भवन की परंपराओं, कार्यप्रणाली और उसके विभिन्न आयामों की जानकारी मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये संकलन नागरिकों को अपनी विरासत पर गर्व करते हुए प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। अपने कार्यकाल के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राष्ट्रपति ने ई-उपहार के तीसरे संस्करण का भी शुभारंभ किया, जिसमें राष्ट्रपति को प्राप्त 300 चयनित उपहारों को सार्वजनिक नीलामी के लिए रखा गया है। यह ई-नीलामी 05 अगस्त से 05 सितंबर तक आयोजित होगी और इससे प्राप्त समस्त आय सामाजिक कार्यों में उपयोग की जाएगी। राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन आने वाले आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए विकसित ई-ऑडियो गाइड का भी शुभारंभ किया। यह ऐप आधारित बहुभाषी गाइड हिंदी, अंग्रेजी तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 14 अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। इसमें सांकेतिक भाषा की सुविधा भी दी गई है, जिससे दिव्यांगजन भी इसका लाभ उठा सकेंगे। हरित और समावेशी परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रपति ने 'राही' नामक निःशुल्क इलेक्ट्रिक बस सेवा का शुभारंभ किया। राष्ट्रपति संपदा के कर्मचारियों और निवासियों के लिए शुरू की गई 27 सीटों वाली यह बस व्हीलचेयर अनुकूल है तथा इसका संचालन महिला चालक और परिचालक करेंगी। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन परिसर में रहने वाले बच्चों के लिए 'बचपन-बाल परिसर' का भी उद्घाटन किया। इस परिसर में बच्चों के लिए खेलने की जगह 'किलकारी' क्षेत्र तथा उनके विकास व देखभाल के लिए सुरक्षित माहौल देने वाला 'समर्थ आंगनवाड़ी-सह-पालना' शामिल है।

दतिया विधानसभा उपचुनाव: 30 जुलाई को मतदान, 2.20 लाख मतदाता करेंगे 21 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला

भोपाल, 28 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव की तैयारियां पूरी हो गई हैं। यहां 30 जुलाई को मतदान होगा, जिसमें 2 लाख 20 हजार 344 मतदाता 21 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। ईवीएम में उम्मीदवारों के साथ नोटा का विकल्प भी रहेगा। तीन अगस्त को मतगणना होगी और इसी दिन नतीजे आएंगे।

दतिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार-प्रसार का आज मंगलवार को अंतिम दिन है। शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थम जाएगा। इसके बाद उम्मीदवार और उनके स्थानीय कार्यकर्ता ही घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर सकेंगे। चुनाव प्रचार समाप्त होने से पहले सभी प्रमुख राजनीतिक दल अपने समर्थकों और मतदाताओं के बीच आखिरी बार अपनी ताकत दिखाने में जुटे हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक दतिया विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,20,344 मतदाता हैं। इनमें 1,16,088 पुरुष और 1,04,246 महिला मतदाता हैं। इसके अलावा 10 अन्य मतदाता भी अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। विधानसभा क्षेत्र में 1,372 दिव्यांग, 80 वर्ष से अधिक उम्र के 1,237 और 443 सर्विस वोटर भी हैं। यही मतदाता 30 जुलाई को ईवीएम में बटन दबाकर 21 प्रत्याशियों की किस्मत तय करेंगे। भाजपा ने चुनाव प्रचार में दतिया के विकास को मुख्य मुद्दा बनाया। पार्टी ने ढाई साल से क्षेत्र में विकास कार्य ठप होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस को घेरा। भाजपा नेताओं ने मतदाताओं से कहा कि पार्टी प्रत्याशी के जीतने पर रुके हुए विकास कार्यों को पूरा कराया जाएगा। प्रचार के दौरान सरकार के काम और दतिया के विकास को लेकर भी जनता के बीच नेता पहुंचे। वहीं कांग्रेस ने चुनाव प्रचार में दतिया उपचुनाव में भाजपा के दावेदार माने जा रहे पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को निशाने पर रखा। पार्टी ने उनके कार्यकाल के दौरान दतिया में कानून-व्यवस्था और कथित गुंडागर्दी को लेकर लगातार सवाल उठाए। कांग्रेस ने नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटे जाने को भी चुनावी मुद्दा बनाया और इसे लेकर भाजपा पर निशाना साधा। दतिया उपचुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने 40-40 स्टार प्रचारकों को मैदान में उतारा। भाजपा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल लगातार प्रचार में सक्रिय रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी रैली और जनसभा कर मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की। करीब 10 से 15 कैबिनेट मंत्रियों को भी अलग-अलग क्षेत्रों में जातीय और स्थानीय समीकरण साधने की जिम्मेदारी दी गई। ग्वालियर-चंबल अंचल के नेताओं ने भी प्रचार में मोर्चा संभाला। कांग्रेस की ओर से प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी लगातार प्रचार करते रहे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के अलावा हेमंत कटारे, जयवर्धन सिंह और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के अन्य नेताओं ने भी मोर्चा संभाला। दोनों दलों ने जातीय समीकरणों को साधने के लिए पूरी ताकत लगाई। आज मंगलवार शाम पांच बजे प्रचार थमने के बाद बाहर से आए नेताओं को दतिया विधानसभा क्षेत्र की सीमा से बाहर जाना होगा। इसके बाद उम्मीदवार और स्थानीय कार्यकर्ता ही मतदाताओं से डोर-टू-डोर संपर्क कर सकेंगे। चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद अब दोनों दलों का फोकस मतदान के दिन अधिक से अधिक मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने पर रहेगा।

केवल समिति बनाने से नहीं आएगा शिक्षा क्षेत्र में बदलाव: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा क्षेत्र में बदलाव के लिए केवल नई-नई कमेटियां बनाने से काम नहीं चलेगा। राधाकृष्ण कमेटी भी व्यवस्था में सुधार लाने के लिए बनी थी लेकिन आज तक उसकी एक सिफारिश लागू नहीं हुई है।

प्रियंका ने कहा कि सरकार को ठोस प्रयास करने चाहिए। संसद में विपक्ष को दोषी ठहराने और राजनीति से काम नहीं चलेगा। 'जेन जी' का भरोसा वापस जीतने के लिए सोच की दिशा बदलनी होगी। उन्होंने कहा, 'देश के नौजवान न्याय मांग रहे हैं, भीख नहीं। वे यहां सरकार गिराने नहीं अपना भरोसा बचाने के लिए आए थे। '

प्रियंका ने कहा कि सरकार को शिक्षा विशेषज्ञों को एक साथ लाना चाहिए। छात्रों, अध्यापकों, सभी स्टेक होल्डर्स को साथ लेकर अन्य विचारधाराओं के विशेषज्ञों के साथ गहरी चर्चाएं करवाकर एक नई शिक्षा प्रणाली तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मौजूदा नेशनल एजुकेशन पॉलिसी में 8 महीने तो एग्जाम चलते हैं। अध्यापकों को पढ़ाने का समय नहीं मिलता। '

प्रियंका की टिप्पणी पर लोकसभा में हंगामा

लोकसभा में आज प्रियंका गांधी की शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी को लेकर की गई टिप्पणी पर हंगामा हुआ। जोशी के संबंध में की गई उनकी टिप्पणी को सत्ता पक्ष के सदस्यों ने पहले 'प्रमाणित' करने के लिए कहा जिसके जवाब में प्रियंका गांधी ने कहा कि इस बात के संबंध में वे अखबार की कटिंग उपलब्ध करायेंगी।

ईडी का धनबाद में एलबी सिंह और गणेश यादव के 25 ठिकानों पर छापा

रांची, 28 जुलाई (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज सुबह अवैध कोयला खनन के विरुद्ध झारखंड के धनबाद में कुछ स्थानों पर दबिश दी। कोयला माफिया एलबी सिंह, अनिल गोयल, गणेश यादव, पप्पू मंडल, अनूप चौहान, हरेंद्र चौहान, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रोहित यादव और उनके सहयोगियों से जुड़े 25 ठिकानों पर ईडी ने छापा मारकर दस्तावेजों की तलाश शुरू कर दी है। कोयला घोटाले के इस मामले में ईडी ने चार अलग-अलग एनफोर्समेंट केस इनफॉरमेशन रिपोर्ट (ईसीआइआर) दर्ज कर पूरे मामले में जांच शुरू की थी।

होमस्टे को प्रोत्साहित करने के लिए पर्यटन और वन विभाग मिलकर कार्य करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भगोरिया उत्सव का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए

मार्ग सुविधा केन्द्रों के साथ हॉस्पिटल, पेट्रोल पम्प आदि भी हों

कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए प्रत्येक 15 से 20 कि.मी. पर भोजन-प्रसादी की व्यवस्था हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की समीक्षा

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार और उनके बेहतर संचालन के लिए पर्यटन विभाग, वन तथा संस्कृति विभाग के साथ समन्वय कर गतिविधियों का संचालन करें। इससे ग्रामीण और वनांचल में स्थित होमस्टे को प्रोत्साहित करने में भी मदद मिलेगी। यह सुनिश्चित किया जाए कि पर्यटन विकास निगम द्वारा निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित गतिविधियों के लिए जारी होने वाली अनुमतियों में विलंब नहीं हो। प्रत्येक स्तर पर त्वरित, सुगम और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित गतिविधियों की मंत्रालय में समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, प्रबंध संचालक राज्य पर्यटन विकास निगम डॉ. इलैयाराजा टी. तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड़ हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुरैना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुरैना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेंद्र सिंह ''सीताराम जी '', मुरैना, मोबाइल 6261839476
RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोबा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुरैना ही होगा। डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com

थाना पोहरी पुलिस द्वारा अप क्रमांक 229/26 में 24 घंटे के भीतर नकवजनी का खुलासा कर आरोपी राजा विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया

आरोपी की निशादेही पर 60,000 रुपये का मशरूका बरामद कर आरोपी को जेल भेजा गया।

शिवपुरी (निज संवाददाता)। फरियादी देवेन्द्र कुशवाह पुत्र प्रकाश कुशवाह उम्र 23 साल निवासी ग्राम जटवारा थाना पोहरी के द्वारा अज्ञात आरोपीयों ने उसकी इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में ताला तोडकर तार (केवल) व अन्य सामाग्री कीमत करीब 35000/- रुपये चोरी करने की रिपोर्ट की थी।

अपराध की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं एस.डी.ओ.पी. पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन थाना प्रभारी पोहरी निरी. रवि चौहान द्वारा अज्ञात आरोपी एवं मशरूका की पतारशी हेतु अपने मुखविर तंत्र को सक्रिय कर एवं आसपास लगे सीसीटीव्ही फुटेजों को चैक किया गया।

इसी क्रम सीसीटीव्ही फुटेज एवं सक्रिय मुखबिर द्वारा प्राप्त सूचना पर से आरोपी राजा विश्वकर्मा पुत्र राजेन्द्र विश्वकर्मा उम्र 24 साल निवासी संजय कॉलोनी शिवपुरी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गई तार (केवल) बरामद किया गया। आरोपी से पूछताछ की गई तो आरोपी द्वारा दिनांक 16-17 की दरम्यानी रात अपने दो अन्य सहयोगी विजय कल्हार, लक्ष्मण कल्हार के साथ स्वयं की मोटरसाइकिल क्रमांक स्ब्क्33स्ब्7067 के द्वारा नायरा पेट्रोल पम्प के पास वाली इलेक्ट्रॉनिक की दुकान का ताला तोडकर तार (केवल) चोरी कर सफेद रंग की बोरी में रखकर गौशाला के पास पिपरघार की पुलिया के नीचे छिपा दिया था। जिसे आज

दिनांक 28.07.2026 को आरोपी राजा विश्वकर्मा की निशादेही पर गौशाला के पास पिपरघार की पुलिया के नीचे से सफेद रंग की बोरी में बंद तार (केवल) कीमत करीबन 20,000/- रुपये को बरामद किया व आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त आरोपी की पेशन प्रो मोटरसाइकिल क्रमांक स्ब्क्33स्ब्7067 कीमत करीब 40,000/- रुपये को बरामद किया कुल मशरूका 60,000/- रुपये बरामद कर एवं आरोपी राजा विश्वकर्मा पुत्र राजेन्द्र विश्वकर्मा उम्र 24 साल निवासी संजय कॉलोनी शिवपुरी को माननीय न्यायालय पेश किया गया माननीय न्यायालय के आदेश से जेल दाखिल किया।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पोहरी निरी. रवि चौहान, उनि वीरेन्द्र परिहार, प्रआर. 180 ह्रदेश पाराशर, आर. 256 रामनाथ रावत, आर.247 मुनेश धाकड, आर.307 चंद्रभान रावत, आर. 1134 अरविन्द कुशवाह, की सराहनीय भूमिका रही।

जिला जेल में टीबी स्क्रीनिंग केम्प

मुरैना (निजसंवाददाता)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी केस खोजने हेतु डॉ पद्मेश उपाध्याय जी मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्यअधिकारी जिला मुरैना के मार्गदर्शन में जिला जेल मुरैना में कैदियों में टीवी की बीमारी खोजने हेतु शिविर लगाया गया. जेल में कुल 238 कैदियों का स्क्रीनिंग कार्य हेंड हेल्ड एक्सरे मशीन के माध्यम से किया साथ ही 19 कैदियों का खंखार परीक्षण हेतु सेम्पल कलेक्शन किये बलगम के नमूनों की जांच में अगर टीबी की बीमारी पाई जाती है तो उनको राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अनुसार निशुल्क उचित दवाइया उपलब्ध कराई जाएंगी एवं परीक्षण ,पोषण सहायता राशि का लाभ दिया जायेगा साथ ही टीबी का फैलाव रुकेगा। जेल में उपस्थित समस्त स्टाफ एवं कैदियों समक्ष क्षय की जानकारी दी गई जिसमे टीवी क्या है,इसके लक्षण क्या है, उपचार क्या है, भारत शासन द्वारा टीवी उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन की योजना चलाई जा रही है जांच रिपोर्ट में क्षय की बीमारी आती है राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत डॉट्स पद्दति द्वारा का इलाज किया जाता है भारत सरकार द्वारा भारत को टीवी मुक्त करने का निर्णय लिया गया है उसी के तहत शासन द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है जिसमें निक्षय पोषण योजना ,डीबीटी योजना आती हैं इस जिला जेल केम्प में श्री सुनीत शर्मा जी जेल उप अधीक्षक एवं जिला क्षय केन्द्र मुरैना से वरिष्ठ प्रयोशाला पर्यवेक्षक श्री जितेंद्र सिंह नरवरिया,निक्षय मित्र सत्यवीर,लेप्रा से संभागीय कॉर्डिनेटर मोहन सिंह कुशवाह एवं एक्सरे टेक्नीशियन शिवम वर्मा, प्रदीप बोहरे व जिला जेल से फार्मासिस्ट श्रीमती सपना तिवारी जी कैंप के दौरान उपस्थित रहे जिला जेल स्टाफ के सहयोग से आयोजित किया गया।

गोरमी नगर परिषद में चार एल्डरमैन का भव्य स्वागत, गौतम मंदिर से निकली स्वागत रैली

अशोक सिंह नरवरिया

गोरमी 7 मध्यप्रदेश शासन द्वारा गोरमी नगर परिषद में मनोनीत किए गए चार एल्डरमैन का मंगलवार को नगर परिषद कार्यालय में भव्य स्वागत किया गया। इससे पहले नवनियुक्त एल्डरमैन के सम्मान में गोरमी के गौतम मंदिर से एक स्वागत रैली निकाली गई, जो मुख्य बाजार से होते हुए नगर परिषद कार्यालय पहुंची। रैली के दौरान समर्थकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया तथा नारे लगाकर खुशी का इजहार किया। नगर परिषद कार्यालय पहुंचने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) महेश पुरोहित ने रविंद्र सिंह नरवरिया, सुरेश थापक, सुनीता आर्य एवं भिकराम राठौर का फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, आलोक शुक्ला, विनोद यादव, कौशल तिवारी, बंटी दीक्षित, मुकेश थापक, शिवराज यादव, संतोष तिवारी, राहुल राजोरिया, प्रेम प्रताप नरवरिया, राजेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। समारोह के दौरान सभी ने नवनियुक्त एल्डरमैन का अभिनंदन करते हुए नगर परिषद के विकास और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह का माहौल रहा और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

पुरानी पेंशन बहाली और 8वें वेतन आयोग के लिए दिल्ली में गरजेगा ऑल इंडिया एन.पी.एस.एम्प्लॉइज फेडरेशन,

6 सितंबर को राष्ट्रीय महासम्मेलन...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना (ह्क्क्) की बहाली और आठवें वेतन आयोग के गठन की मांगों को लेकर देश भर में लगातार संघर्ष कर रहे 'ऑल इंडिया एन.पी.एस. एंप्लॉयज फेडरेशन' का एक बड़ा राष्ट्रीय महासम्मेलन आगामी 6 सितंबर को देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित होने जा रहा है।फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी जनक सिंह रावत ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह महासम्मेलन राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पुरानी पेंशन बहाली और आठवें वेतन आयोग में कर्मचारियों की मांगो पर गहन विचार-विमर्श करना है। बैठक में आगामी बड़े आंदोलन की रूपरेखा, स्तर और समय भी तय किया जाएगा, ताकि सरकार पर दबाव बनाकर कर्मचारियों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जा सके।सैकड़ों संगठनों के प्रतिनिधि होंगे शामिल इस महासम्मेलन में फेडरेशन से जुड़े देश के विभिन्न राज्यों के सैकड़ो कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों और शीर्ष पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी के अनुसार, देश के कोने-कोने से विभिन्न राज्यों के कर्मचारी संगठन इस महासम्मेलन में शिरकत करेंगे और कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए साझा रणनीति तैयार करेंगे।कोर कमेटी ने की बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील इस राष्ट्रीय महासम्मेलन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए फेडरेशन की राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्यों ने पूरी ताकत झोंक दी है। कोर कमेटी सदस्य भरत पटेल, क्रांति सिंह, अंकुर त्रिपाठी विमुक्त, प्रदीप सरल, विनोद यादव, शशिकांत शर्मा, सुधीर रूप जी, अमरदीप कौर, बसंत लाल, बंटी सिंह तनवार, भूपेंद्र सिंह, नीरज त्रिपाठी, मनीष पांडे, राकेश राय, संजीव वर्मा, अभिषेक विश्वास, हेमंत गुर्जर, जेपी पांडे, पिल ठाकुर, रामलाल यादव और सैयद सारिक सहित सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने देश भर के कर्मचारियों और संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुँचने तथा इस आयोजन को सफल बनाने की पुरज़ोर अपील की है।

मध्य प्रदेश में भी हो वृहद पौधारोपण और संरक्षण -जाकिर हुसैन

मुरैना (निजसंवाददाता)।यह जानकर हर्ष का विषय है कि बरसात के समय से पूर्व एवं इसी अवसर पर अपने प्रदेश के निकट राज्यों तथा देश के अन्य राज्यों में वातावरण पर चिंतन करते हुए सघन वृक्षारोपण किया जा रहा है। उदाहरण एवं राज्य सरकारों द्वारा दिये गए आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ पौधों का रोपण इसी वर्ष किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इसी प्रकार राजस्थान में 10 करोड़ का पौधा रोपण, गुजरात में 10 करोड़ पौधों का रोपण किया जा रहा है।,दिल्ली में 70 लाख पौधौ ,छत्तीसगढ़ में ढाई करोड़ पौधे लगाए जाएंगे, तेलंगाना में 100 करोड़ के फलदार पौधे लगाए जाएंगे। जबकि मध्यप्रदेश , बाघ, टाइगर घड़ियाल और अच्छी जैव विविधता के लिए सर्वश्रेष्ठ वन क्षेत्र है ऐसी स्थिति में हमारे प्रदेश में वृक्षारोपण के लिए लगायत वर्ष में भी कोई लक्ष्य निर्धारित होना चाहिए । हमारे प्रदेश में सघन वृक्षारोपण कार्य 'जी राम जी योजना ' व इसी उद्देश्य की अन्य योजनाओं के तहत किया जाना चाहिए ताकि वन जाई वनों से पैदा होने वाली नदियां अविरल वहैं, हमारे जंगली जानवरो के रहवास सुनिश्चित हो उनका पलायन न हो और उनके खाने के लिए कंदमूल फल या खाद्य सामग्री उन्हें प्राप्त होती रहे । मनुष्यों के कहे जाने वाले फेफड़े जंगल, जंगलों से हमें प्राण वायु ऑक्सीजन प्राप्त होती रहे तथा जंगल बरसात को अपनी ओर आकर्षित करके जल से जीवन का आधार सुनिश्चित कर सके। इसलिए मैं मध्य प्रदेश शासन से विनम्रता पूर्वक अनुरोध करता हूं कि इसी माह पवित्र उत्सव गुरु पूर्णिमा से जन्माष्टमी तक बृहद वृक्षारोपण कराकर इस पुनीत कार्य में अपनी, प्रदेश की जनता को और विभागौ को सहभागिता का अवसर प्रदान करने के आदेश प्रदान करें जिससे एक साथ पौधों का रोपण किया जा सके।

पिछोर एसडीओपी की कर्तव्य के प्रति अभिनव निष्ठा

शिवपुरी (निज संवाददाता)। अभियान 'नशे से दूरी है जरुरी 2.0' के तहत एक ही दिन मे अनुभाग पिछोर अंतर्गत 08 अलग-अलग स्थानों पर नशे के प्रति जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 5 हजार से अधिक लोगों को नशे से दूरी बनाने के लिये जागरुक किया एवं नशा न करने की शपथ दिलाई।

मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशा विरोधी जन जागरूकता कार्यक्रम 'नशे से दूरी है जरुरी 2.0' के तहत जिले में पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आर डी प्रजापति के मार्गदर्शन मे अभियान को सफल बनाने के लिये पुलिस अधिकारियों के द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं एवं जिले मे जगह-जगह नशे के प्रति जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

इसी क्रम में आज अनुभाग पिछोर में एक अलग ही तस्वीर देखने को मिली जिसमें एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा द्वारा पिछोर अनुभाग मे लगभग आठ अलग अलग संस्थानों में पहुंचकर लगभग 5000 से अधिक बच्चों/लोगों को नशा न करने की शपथ दिलाई जो अपने आप में अनूठी बात होने के साथ-साथ एसडीओपी की अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा को दर्शाती है।

कार्यक्रम के तहत एसडीओपी प्रशांत शर्मा के द्वारा सनराइज स्कूल खनियाधाना, मॉडल स्कूल पिछोर, एक्सीलेंस स्कूल पिछोर, पीजी कॉलेज पिछोर, सरस्वती विद्यालय पिछोर, सीएम राइस स्कूल गणेश खेड़ा, गवर्नमेंट स्कूल बामोर कला में स्वयं एवं अपने स्टाफ के साथ पहुंचकर छात्र छात्राओं को व टीचिंग स्टाफ को नशा विरोधी अभियान का साक्षी बनाया और लगभग 5000 से अधिक लोगों को नशा न करने व अपने आस पास के लोगों को नशे से दूर रखने के लिये जागरुक करने हेतु शपथ दिलाई। इसके बाद एसडीओपी पिछोर कार्यालय पर आये 200-300 महिला व पुरुषों को अभियान के बारे मे अवगत कराया गया एवं नशे से दूरी बनाने के लिये शपथ दिलाई गयी।

पट्टे की जमीन धोखाधड़ी से हड़पने का आरोप, पीड़ित दलित किसान ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। खनियाधाना तहसील के ग्राम गोरबर निवासी एक गरीब दलित किसान ने कलेक्टर से गुहार लगाकर पट्टे की जमीन को फर्जी तरीके से अपने नाम कराने वाले दबंग और साठगांठ करने वाले अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित का आरोप है कि उसके अनपढ़ पिता का फायदा उठाकर वर्ष 1987 में यह फर्जी रजिस्ट्री कराई गई थी।

ग्राम गोरबर निवासी महेश कुमार जाटव (40 वर्ष) पुत्र स्व. हरबान सिंह जाटव ने कलेक्टर को सौंपे आवेदन में बताया कि उनके पिता हरबान जाटव को खनियाधाना तहसील से प्रकरण क्रमांक 49/75-76/अ-19 के तहत सर्वे क्रमांक 33/2 (रकबा 1.839) की भूमि पट्टे पर प्रदान की गई थी। उनके पिता अनपढ़ थे और खनियाधाना निवासी संतोष कुमार सोनी पुत्र हरदास सोनी के यहां मजदूरी का काम करते थे।

महेश जाटव के अनुसार, पट्टा मिलने की जानकारी होने पर संतोष सोनी ने उनके पिता की अज्ञानता का फायदा उठाया। विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों से साठगांठ कर तथा कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर 27 फरवरी 1987 को बिना किसी प्रतिफल राशि (पैसों) के उक्त विक्रय से वर्जित जमीन को फर्जी तरीके से अपने नाम करा लिया।

कब्जे में है जमीन, पर मिल रही धमकियां पीड़ित किसान का कहना है कि पट्टा मिलने के दिन से लेकर आज तक उस जमीन पर उनके और उनके परिवार का ही कब्जा है तथा वे उस पर कृषि कार्य कर अपना जीवन-यापन कर रहे हैं। वर्तमान में भी खसरा रिपोर्ट में उक्त भूमि 'विक्रय से वर्जित' दर्ज है।

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि दबंग संतोष सोनी आए दिन गुंडे-अपराधियों को भेजकर उन्हें डराता-धमकाता है और जमीन पर कब्जा करने की नीयत से जान से मारने की धमकी दे रहा है। कार्रवाई न होने पर उठ रहे सवाल

महेश जाटव ने बताया कि इस संबंध में वे 9 जून 2026, 7 जुलाई 2026 और 14 जुलाई 2026 को भी कलेक्टर कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित परिवार ने मांग की है कि उक्त फर्जी रजिस्ट्री को तत्काल निरस्त किया जाए तथा इस षड्यंत्र में शामिल संतोष सोनी और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

दबंग कोटवार ने किसान की जमीन पर किया अवैध कब्जा, विरोध करने पर दे रहा जान से मारने की धमकी....

शिवपुरी (निज संवाददाता)। जिले की बैराड़ तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम गाजीगढ़ में एक दबंग कोटवार द्वारा गरीब किसान की जमीन पर जबरन कब्जा करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान ने पुलिस अधीक्षक (स्क्) कार्यालय पहुंचकर शिकायती आवेदन सौंपते हुए न्याय और जमीन वापस दिलाए जाने की गुहार लगाई है।

ग्राम गाजीगढ़ तहसील बैराड़ निवासी पीड़ित फूलसिंह परिहार पुत्र श्री गुलाब सिंह परिहार ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि गांव के ही दबंग कोटवार मंगल सिंह परिहार ने उनकी कृषि भूमि पर जबरन अवैध कब्जा कर लिया है।

पीड़ित के अनुसार, जब उन्होंने अपनी जमीन छोड़ने का निवेदन किया, तो आरोपी मंगल सिंह परिहार ने धमकी देते हुए कहा कि 'वह गांव का कोटवार है और कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। उसे आदेश मिला है कि वह जिसकी भी जमीन चाहे ले सकता है। '

जीविका का एकमात्र साधन छीना

पीड़ित किसान फूलसिंह ने आवेदन में उल्लेख किया है कि इस जमीन के अलावा उनके पास आजीविका का कोई अन्य साधन या जमीन नहीं है। पूरा परिवार इसी जमीन पर खेती-बाड़ी करके अपना जीवन यापन करता है। दबंगई के बल पर जमीन छिन जाने से परिवार के सामने जीवन-यापन का संकट खड़ा हो गया है।

एसपी से लगाई न्याय की गुहार पीड़ित का आरोप है कि दबंग कोटवार द्वारा लगातार जान1 से मारने और मार डालने की धमकियां दी जा रही हैं, जिससे उनका परिवार भारी दहशत में है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि आरोपी मंगल सिंह परिहार के विरुद्ध उचित और दंडात्मक कानूनी कार्रवाई की जाए, उनकी कब्जाई गई जमीन वापस दिलवाई जाए तथा परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए।

कलमी क्षेत्र में कलेक्टर ने देखा सलई गोंद संग्रहण, बोले— वनोपज को आजीविका से जोड़ने के लिए बने कार्ययोजना

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कलमी क्षेत्र का भ्रमण कर सलई (सलाई) वृक्षों से गोंद संग्रहण की पारंपरिक प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने गोंद संग्रहण करने वाले स्थानीय संग्राहकों से चर्चा कर संग्रहण की विधि, परंपरा और उससे होने वाली आय की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद, वन विभाग के एसडीओ, रेंजर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। गोंद संग्राहकों ने कलेक्टर को बताया कि सलई गोंद संग्रहण का कार्य सर्दियों के मौसम से शुरू होकर होली के बाद तक चलता है। गोंद निकालने के लिए पहले पेड़ के तने की छाल को सावधानीपूर्वक हटाया जाता है, इसके बाद लोहे के विशेष सांचे लगाकर गोंद एकत्र किया जाता है। वर्तमान में सलई गोंद का बाजार मूल्य लगभग ?300 से ?400 प्रति किलोग्राम तक मिलता है, जिससे ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। चर्चा के दौरान संग्राहकों ने बताया कि सलई के पेड़ उनकी पारिवारिक संपत्ति माने जाते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी विरासत में हस्तांतरित होते हैं। जिन परिवारों के अधिपत्य में ये पेड़ होते हैं, केवल वही उनसे गोंद संग्रहण करते हैं। सामाजिक परंपरा के अनुसार इन पेड़ों का बंटवारा भी परिवार की अन्य संपत्तियों की तरह किया जाता है। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने तेंदूपत्ता एवं अन्य जड़ी-बूटियों के संग्रहण के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वनधन केंद्रों के माध्यम से वनोपज संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन को अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे वनाश्रित परिवारों की आय में वृद्धि हो सके।

उल्लेखनीय है कि वन विभाग द्वारा सलई गोंद को 'एक जिला-एक उत्पाद (ह्रष्ठह्रक्क)' के लिए प्रस्तावित किया गया है। यदि यह पहल प्रभावी रूप से लागू होती है, तो जिले में वनोपज आधारित रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलने की संभावना है।

गोरस में गिर गाय संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा, 5 अगस्त को लगेगा विशेष पशुपालक शिविर: कलेक्टर शीला दाहिमा

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने क्षीर धारा ग्राम गोरस में पशुपालकों के बैठक कर गिर गाय के संरक्षण एवं संवर्धन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन विभाग को मुख्यमंत्री दुग्ध समृद्धि अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक पशुपालकों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से 5 अगस्त को गोरस में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

नायब तहसीलदार कार्यालय गोरस में आयोजित बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद, उप संचालक पशुपालन डॉ. सुभाषबाबू दौहरे, नायब तहसीलदार नरेन्द्र जैन सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि गोरस में गिर गाय के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ब्रीडिंग सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भेजा जाए। साथ ही ग्राम में भूसा गोदाम एवं पशु शेड निर्माण की कार्ययोजना बनाकर प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएं, ताकि पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

कलेक्टर ने कहा कि 5 अगस्त को आयोजित शिविर में पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) सहित पशुपालन से जुड़ी विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा पात्र हितग्राहियों के आवेदन भी भरवाए जाएंगे। उन्होंने पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए पशु चिकित्सा उपचार एवं टीकाकरण शिविर आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

उप संचालक पशुपालन डॉ. सुभाषबाबू दौहरे ने बताया कि गिर गायों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ब्रीडिंग एसोसिएशन का गठन किया गया है। इसके माध्यम से गिर नस्ल के बछड़ों का बेहतर मूल्य पर विक्रय किया जा सकेगा, जिससे पशुपालकों की आय में वृद्धि होगी।

उन्होंने जानकारी दी कि क्षीर धारा ग्राम गोरस में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार 230 पशुपालकों के पास लगभग 18 हजार गौवंश उपलब्ध हैं। विभाग का प्रयास है कि इन पशुपालकों को योजनाओं से जोड़कर दुग्ध उत्पादन बढ़ाया जाए तथा पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित किया जाए।

प्रवेश मेले के तहत छात्राओं को दी उच्च शिक्षा और करियर की जानकारी

शासकीय आदर्श कन्या महाविद्यालय की टीम ने कन्या विद्यालय एवं सीएम राइज संदीपनी विद्यालय में किया मार्गदर्शन

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय आदर्श कन्या महाविद्यालय, श्योपुर के प्राचार्य डॉ. ओ.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में प्रवेश मेले के अंतर्गत छात्राओं को उच्च शिक्षा, करियर एवं महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय की टीम ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, श्योपुर तथा सीएम राइज (संदीपनी) विद्यालय, श्योपुर का भ्रमण कर छात्राओं को महाविद्यालय में प्रवेश से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर महाविद्यालय की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती वेदांकी खंडेलवाल ने विज्ञान संकाय में उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी देते हुए छात्राओं को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुसार विषय चयन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विषय चयन की प्रक्रिया, शासन की छात्रवृत्ति योजनाओं तथा महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं की भी जानकारी दी।

वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. धर्मेन्द्र शाक्य ने छात्राओं को वाणिज्य संकाय में उपलब्ध करियर की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए), बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं एवं अन्य रोजगारपरक क्षेत्रों में भविष्य निर्माण के अवसरों से अवगत कराया।

महाविद्यालय के डॉ. खेमराज आर्य ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर सुनियोजित एवं निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि सही दिशा में मेहनत करने से प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना संभव है।

कार्यक्रम में दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और उच्च शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य एम.एल. गर्ग, सीएम राइज (संदीपनी) विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार खंडेलवाल तथा दोनों विद्यालयों के शिक्षकों का कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशेष सहयोग रहा।

ग्राम सोई में सड़क सुरक्षा को लेकर ग्राम चौपाल, नवागत एसपी मोती उर रहमान की पहल पर ग्रामीणों को किया जागरूक

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। नवागत पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान की विशेष पहल पर जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम चौपाल कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। इसी क्रम में थाना देहात क्षेत्र के ग्राम सोई में यातायात जागरूकता एवं सड़क सुरक्षा विषय पर ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 70 ग्रामीणों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में थाना प्रभारी यातायात संजय सिंह राजपूत, थाना प्रभारी देहात राहुल रघुवंशी, सूबेदार अनिल बाथम सहित यातायात एवं देहात थाना पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों के पालन तथा दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर कम करने के प्रति जागरूक करना था। अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा 'गोल्डन ऑवर' होता है। इस दौरान घायल व्यक्ति को शीघ्र अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई जा सकती है।

थाना प्रभारी यातायात संजय सिंह राजपूत ने ग्रामीणों को सड़क दुर्घटनाओं के कारण, बचाव के उपाय, यातायात संकेत, रोड मार्किंग, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के महत्व तथा सुरक्षित वाहन संचालन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद वैध ड्राइविंग लाइसेंस बनवाकर ही वाहन चलाने की समझाइश भी दी।

वहीं थाना प्रभारी देहात राहुल रघुवंशी ने 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के तहत युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान राहवीर योजना, हिट एंड रन प्रतिकर योजना तथा प्रधानमंत्री राहत कैशलेस उपचार योजना की भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि राहवीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले पात्र व्यक्ति को ?25,000 की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

इसके अलावा हिट एंड रन प्रतिकर योजना के अंतर्गत अज्ञात वाहन से हुई दुर्घटना में 30 दिन तक वाहन का पता नहीं चलने पर मृतक के परिजनों को ?2 लाख तथा गंभीर घायल व्यक्ति को ?50 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री राहत कैशलेस उपचार योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों का चिन्हित निजी अस्पतालों में ?1.5 लाख तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाता है।

ग्राम चौपाल के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की तत्काल सहायता के लिए 20 स्वयंसेवकों का चयन कर उनके नाम एवं मोबाइल नंबर थाना रजिस्टर में दर्ज किए गए। सभी स्वयंसेवकों ने दुर्घटना पीड़ितों को समय पर अस्पताल पहुंचाने और अन्य ग्रामीणों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

पुलिस विभाग ने बताया कि आने वाले दिनों में कलमी, कालीतलाई, गोरस, शेषईपुरा, रायपुरा, भाविका, दातारदा, अजापुरा, चंद्रपुरा, पंडोला, डोटी, प्रेमसर, गांधीनगर, जलालपुरा, वर्धा, कलारना, तिल्ली डेरा, हासिलपुर और ढोढर सहित अन्य गांवों में भी यातायात जागरूकता ग्राम चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

20 दिन में उखड़ने लगी लाखों की सीसी सड़क! शिकायत के एक माह बाद भी कार्रवाई नहीं, जनपद प्रशासन की कार्यशैली पर उठे सवाल

ग्राम पंचायत आसीदा के पीथना खेड़ली में घटिया निर्माण के आरोप, ग्रामीणों ने तकनीकी जांच और दोषियों पर कार्रवाई की उठाई मांग

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले की पंचायतों में विकास कार्यों की गुणवत्ता और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं, लेकिन शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि समाचार प्रकाशित होने, अधिकारियों को शिकायत देने और सीएम हेल्पलाइन में प्रकरण दर्ज कराने के बाद भी अधिकांश मामलों में कार्रवाई नहीं होती, जिससे पंचायत स्तर पर कथित अनियमितताओं को बढ़ावा मिल रहा है।

ताजा मामला जनपद पंचायत श्योपुर की ग्राम पंचायत आसीदा के ग्राम पीथना खेड़ली का है, जहां लाखों रुपये की लागत से निर्मित सीसी सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी कर घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके चलते सड़क निर्माण के महज 20 दिन बाद ही किनारों से टूटने लगी और कई स्थानों पर धंसाव दिखाई देने लगा।

लाखों की लागत, लेकिन गुणवत्ता पर सवाल

जानकारी के अनुसार पांचवें राज्य वित्त आयोग के तहत 27 जनवरी 2026 को ग्राम पीथना खेड़ली में चार सीसी सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए थे। इनमें जगदीश मीणा के मकान से मुख्य सड़क तक लगभग ?3.31 लाख तथा शंभू सेन के मकान से जगदीश मीणा के मकान तक लगभग ?6.35 लाख की लागत से सीसी सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण के दौरान आवश्यक सामग्री गांव तक पहुंचने के बावजूद गुणवत्ता का पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि सड़क पर निर्धारित मानकों के विपरीत पतली सीसी परत डाली गई और निम्न गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके कारण सड़क कुछ ही दिनों में क्षतिग्रस्त होने लगी।

एक माह पहले सीईओ को दी थी शिकायत, अब तक नहीं हुआ निरीक्षण

ग्रामीणों का कहना है कि इस पूरे मामले से जनपद पंचायत श्योपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्याम सुंदर भटनागर को लगभग एक माह पहले ही अवगत करा दिया गया था। आरोप है कि शिकायत के बाद हर बार उनका यही जवाब मिलता रहा कि 'मैं मौके पर जाकर निरीक्षण करता हूं, फिर बताता हूं।'

ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत किए हुए एक माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक न तो मौके का निरीक्षण किया गया और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई सामने आई। इससे ग्रामीणों में प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष व्याप्त है।

20 दिन में सड़क टूटने से उठे गंभीर सवाल : ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य गांवों में टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना विकसित करना है, लेकिन यदि नई सड़क कुछ ही दिनों में टूटने लगे तो निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उनका आरोप है कि पंचायत द्वारा कराए गए अन्य विकास कार्यों की भी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए।

तकनीकी जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने मांग की है कि सीसी सड़क निर्माण का स्वतंत्र तकनीकी परीक्षण कराया जाए। यदि जांच में गुणवत्ता संबंधी खामियां या अन्य अनियमितताएं सामने आती हैं तो संबंधित तकनीकी अधिकारियों, मूल्यांकन करने वाले इंजीनियरों तथा निर्माण कार्य के लिए जिम्मेदार सरपंच-सचिव के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही दोषियों से राशि की वसूली कर सड़क का पुनर्निर्माण कराया जाए।

पहले भी कई पंचायतों पर लगे हैं आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले ढोटी, नगदी और हलगांवड़ा बुजुर्ग ग्राम पंचायतों में भी विकास कार्यों को लेकर शिकायतें सामने आ चुकी हैं। कहीं निर्माण कार्यों में अनियमित भुगतान, संधारण के नाम पर दोबारा राशि आहरित करने तथा कहीं फर्जी बिलों के माध्यम से भुगतान किए जाने के आरोप लगे हैं। उनका कहना है कि यदि शिकायतों पर समयबद्ध और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना कठिन होगा।

जांच के बाद ही सामने आएगी सच्चाई

ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि सक्षम विभागीय जांच और तकनीकी परीक्षण के बाद ही हो सकेगी। अब निगाहें जनपद पंचायत और जिला पंचायत प्रशासन पर टिकी हैं कि क्या शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी, या यह मामला भी अन्य शिकायतों की तरह लंबित रह जाएगा। यदि संबंधित अधिकारियों का पक्ष या जांच रिपोर्ट सामने आती है, तो उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

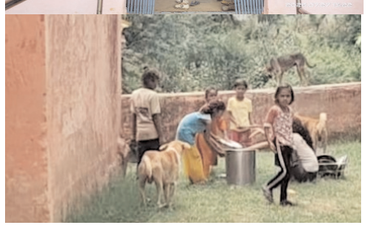

मासूमों की थाली में कच्ची रोटी और पानी जैसी दाल! सेमलदा हवेली प्राथमिक विद्यालय के मध्यान्ह भोजन की खुली पोल

मेन्यू में दाल-सब्जी, लेकिन बच्चों को मिली अधपकी रोटी; जूठी थालियां भी बच्चों से धुलवाई गईं, शिकायत पर बोले डाइट प्राचार्य— वीडियो भेजिए, कार्रवाई कराएंगे

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। विकासखंड कराहल के जन शिक्षा केंद्र आवदा अंतर्गत संचालित शासकीय प्राथमिक विद्यालय सेमलदा हवेली में मध्यान्ह भोजन योजना की गंभीर लापरवाही सामने आई है। विद्यालय में अध्ययनरत मासूम बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के सरकारी दावों की उस समय पोल खुल गई, जब मीडिया टीम ने विद्यालय पहुंचकर मौके का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान देखा गया कि बच्चों को मध्यान्ह भोजन के नाम पर अधपकी (कच्ची) रोटियां और पानी जैसी पतली दाल परोसी जा रही थी। बच्चों की थालियों में न तो निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन दिखाई दिया और न ही पोषणयुक्त आहार।

मेन्यू में सब्जी, थाली में गायब

मध्यान्ह भोजन तैयार कर रही रौशनी समूह की रसोइया से जब उस दिन के मेन्यू के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए दाल, आलू-टमाटर की सब्जी और रोटी बनाई गई है। लेकिन मौके पर बच्चों की थालियों में केवल पतली दाल और कच्ची रोटियां ही दिखाई दीं। मेन्यू में शामिल आलू-टमाटर की सब्जी कहीं नजर नहीं आई।

बच्चों से ही धुलवाई जा रही थीं जूठी थालियां

निरीक्षण के दौरान एक और गंभीर लापरवाही सामने आई। भोजन कराने के बाद जूठी थालियां भी बच्चों से ही धुलवाई जा रही थीं। विद्यालय में अध्ययन करने आए छोटे बच्चों से इस प्रकार का कार्य कराए जाने पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मीडिया ने अधिकारियों को कराया अवगत

मामले की गंभीरता को देखते हुए मीडिया द्वारा मौके से ही डाइट प्राचार्य राघवेंद्र सिंह सिकरवार को फोन कर पूरी स्थिति से अवगत कराया गया। शिकायत मिलने पर उन्होंने कहा कि 'आप फोटो और वीडियो भेजिए, मामले से जिला पंचायत के सीईओ को अवगत कराया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी।'

जांच और कार्रवाई की उठी मांग

ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच करवाने, निर्धारित मेन्यू का पालन सुनिश्चित कराने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित समूह एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मध्यान्ह भोजन योजना का उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य और शिक्षा को बेहतर बनाना है, लेकिन यदि बच्चों को अधपका भोजन परोसा जाए और उनसे ही जूठे बर्तन धुलवाए जाएं, तो यह योजना की भावना पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

संपादकीय

कांवड़ यात्रा : भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

डॉ. आशीष वशिष्ठ

सावन महीने की शुरुआत होते ही हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक, गंगा गंगोत्री से लेकर रामेश्वरम तक सम्पूर्ण भारत शिवमय हो उठता है। सावन माह में श?िवभक्तों की विशाल पदयात्राएं जो कांवड़ यात्रा के नाम से जानी जाती है, भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती हैं। कंधों पर सुसज्जित कांवड़, मुख पर 'बोल बम' का उद्घोष, हृदय में भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति। यही है कांवड़ यात्रा का वास्तविक स्वरूप।

कांवड़ यात्रा केवल एक सामान्य यात्रा नहीं है बल्कि ये तपस्या, भक्ति और श्रद्धा की वह गाथा है जो शताब्दियों से चली आ रही है। धर्मशास्त्रों के अनुसार जब कांवड़ से जुड़े दोनों पात्र जिन्हें ब्रह्मघट और विष्णुघट कहा जाता है, पवित्र जल से भर लिए जाते हैं, उन्हें एक बांस की डण्डी के सहारे सजा-धजा कर और पूजित कर स्थापित कर दिया जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार रूद्र अर्थात् शिव बांस में समाहित हैं। कांवड़िया कांवड़ के माध्यम से साक्षात ब्रह्मा, विष्णु, शिव, तीनों की कृपा एक साथ प्राप्त करते हैं।

भारत में दो कांवड़ यात्राएं होती हैं, दिल्ली से उत्तराखंड-गंगोत्री, ऋषिकेश या हरिद्वार तक की कांवड़ यात्रा और बिहार और झारखंड में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवड़ यात्रा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से सैकड़ों-हजारों लोग, युवा से लेकर बुजुर्ग तक, जिनमें महिलाएं और कभी-कभी बच्चे भी कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। कंधों पर लटका पवित्र जल भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें अक्सर भोला या भोले बाबा कहकर पुकारा जाता है। भोले का अर्थ भोलेनाथ, यानी भगवान शिव भी हो सकता है। इसलिए, तीर्थयात्री भोला और भोले हैं!

वर्तमान में, कांवड़ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक पदयात्राओं में मानी जाती है। आधुनिक समय में इसकी भव्यता अत्यधिक बढ़ी है, किंतु इसकी आध्यात्मिक जड़ें वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। प्राचीन ग्रंथों में कांवड़ यात्रा का उल्लेख प्रायः किया जाता है। यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है कि 'कांवड़ यात्रा' का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है? इसका उत्तर थोड़ा सूक्ष्म है। 'कांवड़' शब्द अपने वर्तमान अर्थ में पुराणों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलता। किंतु पवित्र नदी से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करने की परंपरा का वर्णन अनेक पुराणों में स्पष्ट रूप से मिलता है। वर्तमान कांवड़ यात्रा उसी प्राचीन शिवाभिषेक परंपरा का आधुनिक स्वरूप मानी जाती है। अर्थात् कांवड़ यात्रा का भाव पुराण सम्मत है, जबकि 'कांवड़' शब्द अपेक्षाकृत उत्तरकालीन लोक प्रचलित नाम है। 'कंवार' शब्द की व्युत्पत्ति, जिसका अर्थ 'कंधा' है।

कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं। इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना। यह कोई साधारण परंपरा नहीं है। इसके पीछे गहराई से जुड़ी पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं।

कांवड़ यात्रा का जिक्र किसी पौराणिक ग्रंथ में सीधे तौर पर नहीं मिलता है। इसका भी स्पष्ट रूप से कोई जिक्र नहीं है कि किसने पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की थी, लेकिन लोक व्यवहार में महाबली रावण, महाविष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम, अगस्त्य ऋषि, महर्षि मार्कंडेय, महारथी कर्ण और 61 नयनार संतों में से एक संत कनप्पा जैसे कई नाम शामिल हैं, जिन्होंने महादेव शिव को बड़ी सरल-सहज और आसान विधि से पूजन कर प्रसन्न किया था। रावण और भगवान परशुराम द्वारा तो शिवजी के लिए कांवड़ लाकर भी उनका जलाभिषेक करने का प्रसंग लोक कथाओं में मिलता है, हालांकि पुराणों में हर जगह इनके द्वारा की गई विधिवत पूजा का ही वर्णन मिलता है, जिसमें पंचोपचार पूजन से लेकर, षोडशोपचार पूजन तक का वर्णन मिलता है, फिर भी कांवड़ द्वारा जल लाकर शिवजी के अभिषेक का वर्णन नहीं मिलता है।

हालांकि कांवड़ शब्द का जिक्र रामायण में मिलता है। जहां राजा दशरथ द्वारा गलती से श्रवण कुमार की हत्या हो जाती है। इस प्रसंग में जब श्रवण कुमार के चरित्र का वर्णन आता है तब कांवड़ का जिक्र होता है। जहां पता चलता है कि श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर उन्हें तीर्थ यात्रा पर ले जाता है। कांवड़ असल में तराजू जैसी आकृति का एक नमूना होता है। श्रवण ने अपने माता-पिता को दोनों ओर बिठा लिया और कांवड़ कंधे पर रखकर चला। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तीर्थ क्षेत्र में दशानन रावण से जुड़ी कई लोक कथाएं प्रचलित हैं। यहां नोएडा के पास बिसरख गांव को रावण की जन्मस्थली बताया जाता है। मेरठ को मयराष्ट्र बताते हुए उसे रावण की ससुराल बताया जाता है। यहीं, बागपत स्थित पुरा महादेव मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां पर खुद रावण ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर शिवजी का जलाभिषेक किया था, जबकि रावण से भी सैकड़ों वर्ष पहले भगवान परशुराम ने इस मंदिर में शिवलिंग की स्थापना की थी और 108 कलश से उनका अभिषेक किया था।

स्कंद पुराण में शिव उपासना के लिए रामोपाख्यान सर्ग में एक जिक्र आता है, जहां शिवगण नंदी और रावण की बातचीत होती है। इस स्थान पर नंदी कहते हैं कि जो प्राणी जलाशय से शिवालय तक पैदल ही गमन करता है और फिर जल ले जाकर शिवालय को धोकर साफ करता है, वह बिना किसी विधान की पूजा के शिवलोक को प्राप्त कर लेता है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि स्कंद पुराण में कांवड़ यात्रा का जिक्र नहीं है लेकिन ये जरूर लिखा है कि 'जलाशय से जल लेकर शिवालय तक की यात्रा'- संभवतः आगे चलकर यही व्याख्या कांवड़ यात्रा के संदर्भ में ली गई होगी। हालांकि कांवड़ यात्रा विशुद्ध ग्रामीण परंपरा है और इसकी शुरुआत इधर के आधुनिक काल में ही कभी हुई हो, इसकी अधिक संभावना हो सकती है। शिवजी की कावड़ यात्रा का जिक्र पुराणों में मिले न मिले, किसी रावण ने कांवड़ पहले चढ़ाई हो या नहीं, शिवभक्तों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनके लिए तो बस इतनी सी बात है, वे शिव के हैं और शिव उनके हैं। वहीं, कांवड़ के व्युत्पत्तिपरक जो अर्थ किए गए हैं, उनमें एक के अनुसार 'क' अक्षर अग्नि को द्योतक है और 'आवर' का अर्थ ठीक से वरण करना। प्रार्थना यह है कि अग्नि अर्थात स्रष्टा, पालक एवं संहारकर्ता परमात्मा हमारा मार्गदर्शक बने और वही हमारे जीवन का लक्ष्य हो तथा हम अपने राष्ट्र और समाज को अपनी शक्ति से सक्षम बनाएं। गंगाजल, पारद, पाषाण, धतूराफल आदि सबमें शिव सत्ता मानी गई है। अतः सब प्राणियों, जड़-जंगम पदार्थों में स्वयं भूतनाथ पशुपतिनाथ की सुगमता और सुलभता ही तो आपको देवाधिदेव महादेव सिद्ध करती है। कांवड़ शिव के उन सभी रूपों को नमन है। कंधे पर गंगा को धारण किए श्रद्धालु इसी आस्था और विश्वास को जीते हैं। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है। वास्तव में, कांवड़ यात्रा का यह धार्मिक उत्सव न केवल आस्था का प्रतीक है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर भी है। कांवड़िये इस यात्रा के माध्यम से न केवल अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करते हैं बल्कि यह यात्रा उन्हें एकजुटता और भाईचारे का भी अनुभव कराती है। इस दौरान भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है, जो भारतीय संस्कृति की गहराई और विविधता को दर्शाता है। सही मायनों में, कांवड़ यात्रा भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में निहित सिद्धांतों की पुनर्स्थापना है। कांवड़ यात्रा सिर्फ एक यात्रा नहीं है, ये महादेव को शीतल जल अर्पित करने की परंपरा है, ये लोक-उत्सव है, समानता का सन्देश है क्योंकि चारों तरफ भगवा ही भगवा दिखता है जो सनातन संस्कृति का प्रतीक है।

गुरु पूर्णिमा : भगवा ध्वज से गुरु दक्षिणा तक समर्पण, संस्कार और राष्ट्रसेवा

डॉ भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे

भारत की सनातन परंपरा में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि वह शक्ति है जो अज्ञान से ज्ञान की ओर, असत्य से सत्य की ओर और संकीर्णता से व्यापकता की ओर मनुष्य का मार्गदर्शन करती है। इसी गुरु-परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है–गुरु पूर्णिमा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दृष्टि से भी गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक या सांस्कृतिक पर्व नहीं है, बल्कि यह आत्ममंथन, समर्पण, अनुशासन और राष्ट्रकार्य के प्रति पुनः संकल्प लेने का अवसर है। संघ में व्यक्ति-पूजा के स्थान पर आदर्श, विचार और राष्ट्र को सर्वोच्च माना गया है। इसी कारण संघ ने अपने गुरु के रूप में किसी व्यक्ति को नहीं, बल्कि भगवा ध्वज को स्वीकार किया है।

भगवा ध्वज भारतीय त्याग, तपस्या, ज्ञान, शौर्य और समर्पण का प्रतीक है। संघ के स्वयंसेवक गुरु पूर्णिमा के अवसर पर इसी भगवा ध्वज के समक्ष अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं और अपने जीवन, समय, सामर्थ्य तथा अपनी क्षमता के अनुसार राष्ट्रकार्य में योगदान का संकल्प लेते हैं।

संघ के इतिहास में गुरु पूर्णिमा का विशेष स्थान है। संघ के आधिकारिक इतिहास के अनुसार 1928 में पहली बार गुरुपूर्णिमा उत्सव मनाया गया। इसी कालखंड में संघ की कार्यपद्धति में गुरु दक्षिणा की परंपरा का भी प्रारंभ हुआ। प्रथम गुरु दक्षिणा उत्सव में कुल 84 रुपये का समर्पण हुआ था। यह राशि अपने आप में महत्वपूर्ण इसलिए नहीं थी कि वह कितनी थी, बल्कि इसलिए कि उसने संघ के आर्थिक स्वावलंबन और स्वयंसेवक के व्यक्तिगत समर्पण की एक विशिष्ट परंपरा की नींव रखी।

संघ की स्थापना के प्रारंभिक वर्षों में ही यह स्पष्ट हो गया था कि संगठन का संचालन बाहरी आर्थिक सहायता पर निर्भर न होकर स्वयंसेवकों के स्वैच्छिक योगदान और समर्पण से होना चाहिए। गुरु दक्षिणा इसी भाव का प्रतीक बनी।

इस प्रकार गुरु पूर्णिमा संघ के लिए तीन प्रमुख भावों का पर्व बन गई–श्रद्धा, भगवा ध्वज के प्रति; समर्पण, राष्ट्र और समाज के प्रति; और संकल्प, स्वयं के चरित्र निर्माण तथा राष्ट्रसेवा के प्रति।

संघ का गुरु कौन है?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सबसे विशिष्ट विशेषताओं में से एक है कि उसने किसी व्यक्ति को अपना गुरु नहीं माना। संघ ने भगवा ध्वज को गुरु स्वीकार किया है।

इसका गहरा दार्शनिक अर्थ है। व्यक्ति परिवर्तनशील है। व्यक्ति का जीवन सीमित है। लेकिन विचार, आदर्श और राष्ट्र का जीवन दीर्घकालीन होता है। इसलिए संघ ने अपने गुरु के रूप में ऐसे प्रतीक को स्वीकार किया, जो भारतीय संस्कृति के हजारों वर्षों के त्याग, तपस्या, ज्ञान और राष्ट्रधर्म का प्रतिनिधित्व करता है।

भगवा ध्वज स्वयंसेवक को यह स्मरण कराता है कि संगठन में व्यक्ति नहीं, ध्येय सर्वोपरि है।

संघ के सरसंघचालक भी स्वयं को गुरु नहीं मानते। वे संघ के कार्य का मार्गदर्शन करने वाले प्रमुख कार्यकर्ता होते हैं। यही कारण है कि संघ में गुरु दक्षिणा किसी व्यक्ति को नहीं, बल्कि भगवा ध्वज के माध्यम से उस महान राष्ट्रीय ध्येय को अर्पित की जाती है, जिसके लिए स्वयंसेवक काम करता है।

गुरु दक्षिणा केवल धन का समर्पण नहीं

सामान्य अर्थों में गुरु दक्षिणा का अर्थ गुरु को धन या वस्तु अर्पित करना माना जाता है। लेकिन संघ की परंपरा में गुरु दक्षिणा का अर्थ इससे कहीं व्यापक है।

यह स्वयंसेवक के जीवन में समर्पण की भावना को जागृत करने का माध्यम है।

स्वयंसेवक अपनी सामर्थ्य के अनुसार गुरु दक्षिणा अर्पित करता है। इसमें राशि का बड़ा या छोटा होना मुख्य नहीं है। मुख्य बात यह है कि स्वयंसेवक अपने परिश्रम से अर्जित धन में से राष्ट्रकार्य के लिए स्वेच्छा से कुछ अंश समर्पित करता है।

इसलिए गुरु दक्षिणा को संघ की आर्थिक स्वावलंबन की परंपरा के साथ-साथ आत्मसमर्पण की साधना भी कहा जा सकता है।

गुरु पूर्णिमा के दिन संघ में कार्यक्रम कैसे होता है?

संघ की स्थानीय परंपराओं और परिस्थितियों के अनुसार कार्यक्रम के स्वरूप में कुछ अंतर हो सकता है, लेकिन सामान्यतः गुरु पूर्णिमा अथवा गुरु दक्षिणा कार्यक्रम में भगवा ध्वज के समक्ष स्वयंसेवक एकत्रित होते हैं। ध्वज प्रणाम किया जाता है। स्वयंसेवक भगवा ध्वज को गुरु मानकर प्रणाम करते हैं। यह व्यक्ति के प्रति नहीं, बल्कि आदर्श और ध्येय के प्रति नमन होता है।

इसके बाद संघ प्रार्थना होती है। सामूहिक प्रार्थना के माध्यम से राष्ट्र, समाज और संगठन के प्रति स्वयंसेवक अपने संकल्प को पुनः स्मरण करता है।

कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता अथवा संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता गुरु पूर्णिमा, भारतीय गुरु-परंपरा, संघ के ध्येय और वर्तमान सामाजिक चुनौतियों पर विचार रखते हैं।

इसके बाद गुरु दक्षिणा समर्पण का कार्यक्रम होता है। स्वयंसेवक अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार गुरु दक्षिणा अर्पित करता है। यह समर्पण सामान्यतः व्यक्तिगत रूप से और स्वैच्छिक भाव से किया जाता है।

गुरु दक्षिणा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है आत्ममंथन। स्वयंसेवक स्वयं से प्रश्न करता है–मैंने राष्ट्र के लिए क्या किया और आगे क्या करना है? इस अवसर पर स्वयंसेवक अपने जीवन में अधिक समय, अधिक अनुशासन, अधिक सेवा और अधिक सामाजिक सक्रियता का संकल्प लेता है।

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार : संगठन ही साधना

संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने संगठन को व्यक्ति-निर्माण की प्रक्रिया के रूप में विकसित किया। उनके लिए संघ का लक्ष्य केवल शाखा चलाना नहीं था, बल्कि ऐसे स्वयंसेवक तैयार करना था जो समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित जीवन जी सकें।

गुरु पूर्णिमा की दृष्टि से डॉ. हेडगेवार की कार्यपद्धति का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही था कि राष्ट्रकार्य किसी एक व्यक्ति का कार्य नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक शक्ति का परिणाम होना चाहिए।

उन्होंने संघ को व्यक्ति-केंद्रित न बनाकर ध्येय-केंद्रित बनाया। आगे चलकर भगवा ध्वज को गुरु स्वीकार करने की परंपरा इसी दृष्टि को मजबूत करती है।

श्री माधव सदाशिव गोलवलकर 'श्री गुरुजी' : व्यक्ति नहीं, तत्व महत्वपूर्ण

दूसरे सरसंघचालक श्री माधव सदाशिव गोलवलकर, जिन्हें संघ परिवार में स्नेहपूर्वक 'श्री गुरुजी' कहा जाता है, ने स्वयंसेवक के चरित्र, अनुशासन और आत्मीयता पर विशेष बल दिया।

उनके विचारों में स्वयंसेवक केवल शाखा में उपस्थित रहने वाला व्यक्ति नहीं है। वह अपने व्यक्तिगत जीवन, परिवार, व्यवसाय और सामाजिक व्यवहार में भी संघ के संस्कारों को अभिव्यक्त करता है।

गुरु पूर्णिमा के संदर्भ में श्री गुरुजी की दृष्टि का सार यह कहा जा सकता है कि गुरु दक्षिणा केवल धन देना नहीं, बल्कि अपने जीवन को ध्येय के अनुकूल बनाने की साधना है।

बालासाहब देवरस : सामाजिक परिवर्तन का संकल्प

तीसरे सरसंघचालक बालासाहब देवरस ने संघ के कार्य को सामाजिक समरसता और सामाजिक परिवर्तन से जोड़ा। उनकी दृष्टि में समाज की एकता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि व्यवहार में समानता, आत्मीयता और सामाजिक सहभागिता से स्थापित होगी।

गुरु पूर्णिमा का अवसर स्वयंसेवक को यह प्रश्न पूछने की प्रेरणा देता है–क्या मेरा समर्पण केवल संगठन तक सीमित है या समाज के अंतिम व्यक्ति तक भी पहुंच रहा है?

इस दृष्टि से गुरु दक्षिणा का अर्थ सेवा, सामाजिक समरसता और समाज के प्रति जिम्मेदारी को स्वीकार करना भी है।

प्रो. राजेंद्र सिंह 'रज्जू भैया' : सरलता और आत्मीयता

चौथे सरसंघचालक प्रो. राजेंद्र सिंह 'रज्जू भैया' अपने सरल व्यक्तित्व और आत्मीय व्यवहार के लिए जाने जाते थे।

उनके जीवन में गुरु-परंपरा का अर्थ था–ज्ञान, विनम्रता और सेवा।

गुरु पूर्णिमा का संदेश उनके जीवन से यह मिलता है कि ज्ञान का वास्तविक मूल्य तभी है, जब वह समाज के काम आए। इसलिए स्वयंसेवक का जीवन जितना सरल होगा, उतना ही वह समाज के साथ आत्मीय संबंध स्थापित कर सकेगा।

कुप्प. सी. सुदर्शन : स्वदेशी और आत्मनिर्भरता

पांचवें सरसंघचालक कुप्प. सी. सुदर्शन ने स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और भारतीय चिंतन पर विशेष बल दिया।

गुरु दक्षिणा की परंपरा में भी आत्मनिर्भरता का यही तत्व दिखाई देता है। संघ का संगठन अपने कार्य के लिए स्वयंसेवकों के स्वैच्छिक योगदान पर आधारित रहने का प्रयास करता है।

इस दृष्टि से गुरु दक्षिणा केवल आर्थिक योगदान नहीं, बल्कि 'हम अपने ध्येय के लिए स्वयं उत्तरदायी हैं'–इस भाव की अभिव्यक्ति है।

डॉ. मोहन भागवत : स्वयंसेवक से समाज तक

वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने संघ के कार्य को व्यक्ति निर्माण, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण से जोड़ते हुए अनेक अवसरों पर स्वयंसेवक के व्यापक दायित्व की चर्चा की है।

उनकी दृष्टि में संघ का कार्य केवल शाखा के एक घंटे तक सीमित नहीं है; स्वयंसेवक के व्यक्तिगत, पारिवारिक, सार्वजनिक और आजीविका से जुड़े शेष जीवन में भी संघ के संस्कारों की अभिव्यक्ति होनी चाहिए।

गुरु पूर्णिमा का भी मूल संदेश यही है–समर्पण के साथ आत्ममंथन।

प्रचारक : गुरु दक्षिणा की जीवंत प्रतिमूर्ति

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यपद्धति में प्रचारकों का विशेष महत्व है। प्रचारक वह स्वयंसेवक है जो अपने व्यक्तिगत जीवन की सुविधाओं को पीछे रखकर संघकार्य और समाजकार्य के लिए अपना जीवन समर्पित करता है।

यदि गुरु दक्षिणा को केवल आर्थिक समर्पण के रूप में देखा जाए तो उसका अर्थ सीमित हो जाएगा। संघ के प्रचारक का जीवन इस परंपरा के व्यापक अर्थ को सामने रखता है।

प्रचारक अपने जीवन का सबसे मूल्यवान धन–अपना समय, अपनी ऊर्जा, अपनी प्रतिभा, अपना ज्ञान और अपना अनुभव–समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित करता है।

इस दृष्टि से प्रचारक का जीवन स्वयं में एक प्रकार की जीवंत गुरु दक्षिणा है।

गुरु पूर्णिमा : स्वयंसेवक के लिए आत्ममंथन का दिन

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संघ का स्वयंसेवक केवल यह नहीं सोचता कि उसने गुरु दक्षिणा में कितनी राशि दी। वह यह भी विचार करता है–मैंने समाज के लिए कितना समय दिया? मैंने कितने लोगों को जोड़ा? क्या मेरे व्यवहार में सेवा और आत्मीयता दिखाई देती है? क्या मैं समाज की समस्याओं के प्रति संवेदनशील हूँ? क्या मैं अपने परिवार और व्यवसाय के साथ राष्ट्र के प्रति भी अपना दायित्व निभा रहा हूँ?

यही कारण है कि गुरु दक्षिणा को संघ की दृष्टि से एक प्रकार का वार्षिक आत्मपरीक्षण भी माना जा सकता है।

गुरु दक्षिणा : संघ की आर्थिक स्वावलंबन की आधारशिला

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यपद्धति में गुरु दक्षिणा का एक व्यावहारिक पक्ष भी है।

किसी भी संगठन को अपने कार्यों के संचालन के लिए संसाधनों की आवश्यकता होती है। संघ ने अपने कार्य के लिए स्वयंसेवकों के स्वैच्छिक योगदान को महत्व दिया।

इससे दो बातें सुनिश्चित होती हैं–पहली, संगठन अपने कार्य के लिए समाज और स्वयंसेवकों के सहयोग पर आधारित रहता है। दूसरी, स्वयंसेवक को यह अनुभव होता है कि वह केवल संगठन का सदस्य नहीं, बल्कि उसके कार्य का सहभागी और उत्तरदायी घटक है।

इस अर्थ में गुरु दक्षिणा आर्थिक स्वावलंबन और संगठनात्मक सहभागिता–दोनों का माध्यम बनती है।

गुरु पूर्णिमा और संघ : परंपरा से आधुनिकता तक

आज जब समाज तेजी से बदल रहा है, तकनीक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन रही है और व्यक्तिगत जीवन अधिक व्यस्त हो रहा है, तब गुरु पूर्णिमा का महत्व और बढ़ जाता है।

यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों का नाम नहीं है।

व्यक्ति की सफलता तभी सार्थक है, जब वह समाज के लिए उपयोगी बने।

आज की परिस्थितियों में गुरु पूर्णिमा का संदेश और भी व्यापक हो जाता है–

ज्ञान मिले तो विनम्रता आए।

सामर्थ्य मिले तो सेवा बढ़े।

सफलता मिले तो समाज का स्मरण रहे।

और जीवन मिले तो राष्ट्र के काम आए।

निष्कर्ष : गुरु दक्षिणा से राष्ट्र दक्षिणा तक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए गुरु पूर्णिमा केवल कैलेंडर की एक तिथि नहीं है। यह एक ऐसी परंपरा है, जो स्वयंसेवक को अपने जीवन का मूल्यांकन करने और अपने ध्येय के प्रति पुनः समर्पित होने का अवसर देती है।

भगवा ध्वज के समक्ष अर्पित गुरु दक्षिणा वस्तुतः एक प्रतीक है–उस महान भारतीय परंपरा के प्रति श्रद्धा का, जिसने त्याग और तपस्या को जीवन का आदर्श माना।

संघ के लिए गुरु व्यक्ति नहीं, ध्येय है।

गुरु दक्षिणा धन नहीं, समर्पण है।

शाखा केवल कार्यक्रम नहीं, व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला है।

प्रचारक केवल कार्यकर्ता नहीं, समर्पित जीवन का उदाहरण है।

और स्वयंसेवक केवल संगठन का सदस्य नहीं, समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी नागरिक है।

इसलिए गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश यही है कि हम अपने जीवन में किसी महान आदर्श को स्थान दें और उस आदर्श के प्रति अपने समय, श्रम, प्रतिभा और सामर्थ्य को समर्पित करें।

भगवा ध्वज के समक्ष झुकता हुआ स्वयंसेवक वस्तुतः अपने अहंकार को झुकाता है।

गुरु दक्षिणा में अर्पित धन केवल मुद्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा का प्रतीक है।

और जब यह श्रद्धा सेवा में बदलती है, सेवा समर्पण में बदलती है और समर्पण राष्ट्रनिर्माण में बदलता है–तभी गुरु पूर्णिमा का वास्तविक अर्थ साकार होता है।

यही गुरु पूर्णिमा है।

यही गुरु दक्षिणा है।

और यही राष्ट्रकार्य की साधना है।

खेल खेल में खेल!!

जब कॉकरोचों ने हिला दिया सत्ता का सिंहासन : असल हार तो विपक्ष की हुई है!

बृज खंडेलवाल द्वारा
29 जुलाई 2026

साल 2026 का सबसे बड़ा राजनीतिक धमाका संसद में नहीं हुआ। वह एक मीम से शुरू हुआ।

कुछ छात्रों को 'कॉकरोच' कहा गया। उन्होंने बुरा मानने के बजाय उसी नाम को अपना झंडा बना लिया। फिर वे जंतर-मंतर पहुंचे, डटे रहे और आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। महीनों तक संसद में हंगामा करने वाला पूरा विपक्ष जो नहीं कर सका, वह काम कुछ हजार युवाओं ने मोबाइल फोन, मीम और मुस्कान के सहारे कर दिखाया।

कहावत है, 'जहाँ चाह, वहाँ राह।' इस बार राह इंस्टाग्राम से होकर निकली।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), पहले मज़ाक लगती थी। लेकिन मज़ाक ही आंदोलन बन गया। युवाओं ने कहा, 'अगर हमें कॉकरोच कहते हो, तो याद रखो, एक को कुचलोगे, सौ और निकल आएँगे। '

फिर आया नीट-यूजी पेपर लीक।

परीक्षा रद्द हुई। करीब बीस लाख छात्रों को दोबारा परीक्षा की चिंता सताने लगी। कई छात्रों की आत्महत्या की खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। वर्षों से जमा गुस्सा, पेपर लीक, महँगी कोचिंग, बेरोज़गारी और सुस्त व्यवस्था, अब ज्वालामुखी बन चुका था।

चिंगारी मिली और आग फैल गई।

सीजेपी ने वही भाषा बोली जो आज का युवा समझता है। भद्दी गलियों से कोई परहेज नहीं दिखा। तहजीब और संस्कारों का फालूदा बना। प्रेस कॉन्फ्रेंस की जगह इंस्टाग्राम रील्स थीं। लंबे भाषणों की जगह मीम थे। गुस्से को हँसी में बदलकर उन्होंने व्यवस्था पर सबसे तीखा वार किया।

जंतर-मंतर धीरे-धीरे धरना स्थल नहीं, युवा गणराज्य बन गया। गीत गूंजे, पोस्टर बने, बहस हुई, कविताएँ पढ़ी गईं। माता-पिता भी साथ आए। शिक्षकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने समर्थन दिया। सोनम वांगचुक का 26 दिन का अनशन आंदोलन को नैतिक ताकत दे गया। पुलिस की लाठी और आँसू गैस ने भी आंदोलन की आग बुझाने के बजाय और हवा दे दी।

इस आंदोलन की ताकत उसकी स्वतस्फूर्ति, सादगी थी। जिसको जो मन आया, सो बका, लाज शर्म का कोई दिखावा नहीं।

सिर्फ एक मांग थीः जवाबदेही।

व्यवस्था की नाकामी की लंबी बहसों में सरकारें अक्सर बच निकलती हैं। लेकिन जब उंगली सीधे एक जिम्मेदार व्यक्ति की ओर उठे, तब बचना आसान नहीं होता।

आखिरकार सरकार ने हालात भाँप लिए। संसद लगातार ठप थी। देशभर में छात्रों का समर्थन बढ़ रहा था। तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैल रही थीं। टकराव लंबा खिंचता तो नुकसान और बढ़ता।

धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दिया। सरकार ने जांच, मुआवजे और किसी तरह की प्रताड़ना न होने का भरोसा दिया। तत्काल संकट टल गया।

दिलचस्प बात यह रही कि विपक्ष इस पूरी लड़ाई में अगली कतार में नहीं, पीछे की सीट पर बैठा दिखाई दिया।

वर्षों से विपक्ष शिक्षा, बेरोज़गारी और संस्थाओं की विफलता पर सरकार को घेरता रहा है। लेकिन जब असली जनआंदोलन उठा, तब उसकी भूमिका दर्शक जैसी रही। वह आंदोलन का नेतृत्व नहीं कर पाया, केवल समर्थन देने पहुँचा।

यहीं उसकी सबसे बड़ी कमजोरी सामने आई।

आज का विपक्ष विरोध तो करता है, लेकिन भरोसा नहीं जगा पाता।

इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि उसे जोड़ने वाला धागा कोई साझा विचार नहीं, बल्कि केवल भाजपा विरोध है। चुनाव आते ही सीटों पर झगड़े शुरू हो जाते हैं। राज्यों में साथी दल एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी बन जाते हैं। 'एक अनार, सौ बीमार' जैसी हालत हो जाती है।

नेतृत्व का सवाल भी अब तक अनसुलझा है।

राहुल गांधी कांग्रेस का चेहरा हैं, लेकिन ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और दूसरे क्षेत्रीय नेता भी अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ने को तैयार नहीं। जहाँ कई नाविक हों, वहाँ नाव अक्सर भँवर में फँस जाती है।

संगठन भी विपक्ष की कमजोर कड़ी है।

भाजपा ने दशकों तक बूथ स्तर तक अपना संगठन खड़ा किया। दूसरी ओर कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल स्थानीय कार्यकर्ताओं, अनुशासन और जमीनी नेटवर्क की कमी से जूझ रहे हैं। कई राज्यों में गुटबाजी अलग सिरदर्द है।

वंशवाद भी विपक्ष के गले की हड्डी बना हुआ है।

अधिकांश बड़े विपक्षी दल अब भी परिवारों के इर्द-गिर्द घूमते हैं। नई पीढ़ी के नेताओं को आगे बढ़ने का अवसर सीमित दिखाई देता है। इसके उलट भाजपा खुद को कार्यकर्ता आधारित संगठन के रूप में पेश करने में सफल रही है। राजनीति में धारणा भी आधी लड़ाई जीत लेती है।

विपक्ष की एक और समस्या है कि उसके पास आलोचना तो बहुत है, लेकिन विकल्प कम हैं।

महँगाई, बेरोज़गारी, पेपर लीक और संस्थागत संकट जैसे मुद्दे वास्तविक हैं। लेकिन मतदाता केवल शिकायत नहीं, समाधान भी सुनना चाहता है। केवल सरकार को कोसने से चुनाव नहीं जीते जाते।

जन टिप्पणीकार प्रोफेसर पारस नाथ चौधरी का मानना है कि लगातार चुनावी हार ने विपक्ष को गहरी निराशा में धकेल दिया है। उसका पूरा ध्यान केवल मोदी सरकार को हटाने पर केंद्रित हो गया है। कॉकरोच आंदोलन उसे एक सुनहरा अवसर लगा। लेकिन राजनीति में बाजी उसी की होती है जो समय रहते चाल बदल ले।

यहीं नरेंद्र मोदी ने अपनी राजनीतिक चतुराई दिखाई।

सरकार ने टकराव को लंबा नहीं खींचा। प्रदर्शनकारियों की मुख्य माँगें मान लीं। मंत्री ने इस्तीफा दिया। बातचीत हुई। आंदोलन का तत्काल कारण समाप्त हो गया।

इसे कहते हैं 'साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। '

सरकार ने एक मंत्री खोया, लेकिन बड़ा राजनीतिक संकट टाल दिया। विपक्ष के हाथ का सबसे तेज़ हथियार भी कुंद हो गया। संसद में शोर चलता रहा, लेकिन जनता का ध्यान दूसरी ओर मुड़ चुका था।

इसका मतलब यह नहीं कि समस्याएँ खत्म हो गई हैं। परीक्षा प्रणाली में सुधार की ज़रूरत अब भी है। युवाओं की बेरोज़गारी और शिक्षा व्यवस्था पर सवाल भी बने हुए हैं। छात्रों का भरोसा वापस जीतना आसान नहीं होगा।

लेकिन फिलहाल इतना जरूर कहा जा सकता है कि मोदी इस मुश्किल इम्तिहान से निकलने में कामयाब रहे हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी ने साबित कर दिया कि आज का युवा केवल वोटर नहीं, एजेंडा तय करने वाली ताकत भी बन सकता है।

और विपक्ष के सामने अब सबसे बड़ा सवाल यही हैः

अगर कुछ छात्रों ने मीम और मोबाइल के दम पर वह कर दिखाया, जो अनुभवी नेता वर्षों में नहीं कर सके, तो असली आत्ममंथन किसे करना चाहिएः सरकार को या विपक्ष को?

गुरु पूर्णिमा पर बनारी में होगा 500 पौधों का वृहद वृक्षारोपण अभियान, कलेक्टर महोबे होंगे शामिल

जांजगीर-चांपा, 28 जुलाई (हि. स.)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए जांजगीर-चांपा जिले के बनारी में 29 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया जाएगा। हरिलीला चेरिटेबल ट्रस्ट, बनारी और श्याम वेयरहाउसिंग एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड, बनारी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बनारी परिसर में 500 पौधों का रोपण किया जाएगा। इस अभियान में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। आयोजन दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम में जांजगीर-चांपा कलेक्टर जन्मेजय महोबे (भा.प्र.से.) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं हरिलीला चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष लीलाधर सुल्तानिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। आयोजकों का उद्देश्य केवल पौधारोपण करना नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाते हुए जनभागीदारी को मजबूत करना है। हरिलीला चेरिटेबल ट्रस्ट के सचिव अमर सुल्तानिया ने जिलेवासियों, बनारी एवं आसपास के ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, युवाओं और विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

श्रमिकों के बच्चों के लिए वरदान बनी अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना

सुकमा, 28 जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना आर्थिक रूप से कमजोर और सीमित आय वाले श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए एक बड़ा वरदान साबित हो रही है। श्रम विभाग में संचालित इस योजना का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से श्रमिकों के बच्चों को निजी शिक्षण संस्थानों में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने का एक सुनहरा अवसर मिल रहा है, जो उनके भविष्य को संवारने में मील का पत्थर साबित हो रहा है। प्रशासन की इस जनहितैषी योजना का एक जीवंत उदाहरण सुकमा के जिला चिकित्सालय में सुरक्षा गार्ड के पद पर कार्यरत रमेश यादव का परिवार है। अपने छह सदस्यीय परिवार की आजीविका चलाने वाले रमेश के लिए सीमित आय में बच्चों को उच्च स्तरीय शिक्षा दिलाना एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन श्रम विभाग की इस योजना ने उनकी इस चिंता को दूर कर दिया। आज योजना के अंतर्गत उनके पुत्र शिव कुमार को रायगढ़ के एक प्रतिष्ठित निजी शिक्षण संस्थान में कक्षा 7वीं में निःशुल्क और बेहतर शिक्षा मिल रही है, जिससे परिवार पर से पढ़ाई का भारी आर्थिक बोझ पूरी तरह समाप्त हो गया है।

राजाखेड़ा में लोकार्पण शिलान्यास समारोह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धौलपुर को दी लगभग 177 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

धौलपुर के विकास में सरकार नहीं छोड़ेगी कोई कसर हम जनता की सुनते हैं इसलिए ना काम की कमी और ना ही बजट की-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास जनता की मांग का रखा मान मौके पर ही की फूलपुर खेल मैदान के विकास की घोषणा

धौलपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास के मूलमंत्र को आत्मसात कर हमारी सरकार प्रदेश का चहुंमुखी विकास कर रही है। किसान महिला युवा मजदूर सहित प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए योजनाएं बनाई गई हैं और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार धौलपुर जिले के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। विगत ढाई साल में धौलपुर जिले में लगभग दो हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। हम जनता की सुनते हैं इसलिए ना तो काम की कमी है और ना ही बजट की। मुख्यमंत्री मंगलवार को धौलपुर के राजाखेड़ा की फूलपुर ग्राम पंचायत में लोकार्पण शिलान्यास समारोह एवं जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 177 करोड़ रुपये के 17 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जिसमें 155 करोड़ रुपये से अधिक लागत के कार्यों का लोकार्पण तथा 21 करोड़ रुपये से अधिक लागत के कार्यों का शिलान्यास शामिल है। प्रदेश में हर वर्ग का हो रहा सर्वांगीण विकास उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की जनता को पानी बिजली सड़क स्वास्थ्य रोजगार सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवा रही है। किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए पीएम किसान सम्मान निधि के साथ ही तीन हजार रुपये अतिरिक्त देने का काम किया है। वहीं आज किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ मिल रहा है। साथ ही, 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से रामजल सेतु लिंक परियोजना यमुना जल समझौता आईजीएनपी गंगनहर देवास सोम कमला अंबा माही बांध जैसी विभिन्न परियोजनाओं के जरिए प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य की राह प्रशस्त कर रही है। सिर्फ ढाई वर्ष में ही 1 लाख 78 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी की सौगात मिली है। वहीं, 1 लाख 32 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है तथा 70 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की तैयारी की जा रही है। साथ ही, निजी क्षेत्र में भी साढ़े चार लाख रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकसित राजस्थान का संकल्प साकार हो रहा है। अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को सशक्त एवं समृद्ध करने का काम विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं युवाओं सहित प्रत्येक वर्ग के सपनों को साकार किया जा रहा है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था को भी सुदृढ़ बनाया गया है। कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त नलिनी कठैतिया जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ संगठन जिला प्रभारी रवि नैयर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश धाधीच जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत पूर्व विधायक बाड़ी गिर्राज सिंह मलिगा बसेड़ी सुखराम कोली रानी सलोटिया राजाखेड़ा मनोरमा सिंह प्रत्याशी नीरजा शर्मा डॉ. शिवचरण कुशवाह सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने धौलपुर जिले के लिए की महत्वपूर्ण घोषणाएं फूलपुर के खेल मैदान में ढाई करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य, 15 करोड़ रुपये की लागत से राजाखेड़ा में मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण पार्वती नदी पर 15 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण राजाखेड़ा में कृषि उपज मंडी के लिए 37 बीघा भूमि का आवंटन, रैहनावाली और लाठवाली माता मंदिरों का 10 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार सैंपऊ के कौलारी में नया आयुर्वेद औषधालय पार्वती बांध से सैंपऊ तक जाने वाली नहर के दोनों तरफ पानी निकासी की समुचित व्यवस्था, बसेड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बेड संख्या एवं सुविधा विस्तार सलेमपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र। इन विकास कार्यों का किया लोकार्पण मनियां में 101 करोड़ रुपये की लागत से 220 केवी जीएसएस तथा संबंधित लाइनों का निर्माण जारह में 33/11 केवी क्षमता के नए सब-स्टेशन की स्थापना लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से राजाखेड़ा तथा सरमथुरा में एफएसटीपी बसई नवाब और सरमथुरा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बसई नवाब और कंचनपुर में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट की स्थापना बाड़ी में साढ़े तेरह करोड़ रुपये से अधिक की लागत से राम सागर मध्यम सिंचाई परियोजना का पुनर्निर्माण कार्य राजाखेड़ा के नागर-मीठावली में साढ़े आठ करोड़ रुपये की लागत से एनिकट निर्माण सोने का गुर्जा में पुलिस थाना और बिजौली सेवर एवं झिरी में पुलिस चौकी निर्माण। इन विकास कार्यों का हुआ शिलान्यास सरमथुरा में 14 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पार्वती बांध के पुनर्निर्माण कार्य धौलपुर में पौने सात करोड़ रुपये की लागत से जिला औषधि भंडार निर्माण धौलपुर में उपनिदेशक उद्यानिकी विभाग के कार्यालय भवन निर्माण।

मन दर्पण-2 अभियान के अंतर्गत जिले में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के पाँच विशेष मॉड्यूल होंगे प्रारंभ

धौलपुर । राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं आत्महत्या रोकथाम को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मन दर्पण-2 अभियान के तहत जिले में पाँच विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता मॉड्यूल प्रारंभ किए जाएंगे। सोमवार को जयपुर स्थित राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में मन दर्पण-2 अभियान के इन पाँचों मॉड्यूलों के संबंध में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें धौलपुर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी एवं मनोचिकित्सक डॉ. सुमित मित्तल ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान मॉड्यूलों के प्रभावी क्रियान्वयन प्रशिक्षण पद्धति विद्यालयों एवं कार्यस्थलों पर मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन तथा आत्महत्या रोकथाम संबंधी रणनीतियों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ धर्मसिंह मीणा ने बताया कि प्रशिक्षण से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप शीघ्र ही जिले के विद्यालयों महाविद्यालयों सरकारी एवं निजी संस्थानों तथा समुदाय स्तर पर इन मॉड्यूलों का चरणबद्ध क्रियान्वयन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित पाँच मॉड्यूल संचालित किए जाएंगे उन्होंने कहा कि पांच मॉड्यूल में युवा मन किशोर एवं युवा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य भावनात्मक सुदृढ़ता जीवन कौशल आत्मविश्वास तथा मानसिक समस्याओं की प्रारंभिक पहचान एवं सहायता पर केंद्रित। परीक्षा तनाव प्रबंधन विद्यार्थियों को परीक्षा के तनाव चिंता समय प्रबंधन एवं वैज्ञानिक अध्ययन तकनीकों के माध्यम से मानसिक संतुलन बनाए रखने का प्रशिक्षण आई सपोर्ट माई फ्रेंड पीयर सपोर्ट आधारित मॉड्यूल जिसमें विद्यार्थियों एवं युवाओं को अपने मित्रों में मानसिक तनाव अवसाद एवं आत्महत्या के चेतावनी संकेतों की पहचान कर उचित सहायता एवं विशेषज्ञ सेवाओं तक पहुँचाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा कार्यस्थल पर तनाव प्रबंधन सरकारी एवं निजी संस्थानों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यस्थल के तनाव बर्नआउट कार्य-जीवन संतुलन तथा मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के उपायों की जानकारी दी जाएगी। आत्महत्या रोकथाम हेतु गेटकीपर प्रशिक्षण शिक्षकों स्वास्थ्यकर्मियों पुलिस कर्मियों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अन्य सामुदायिक प्रतिनिधियों को आत्महत्या के जोखिम वाले व्यक्तियों की प्रारंभिक पहचान प्रभावी संवाद मनोवैज्ञानिक प्राथमिक सहायता तथा समय पर विशेषज्ञ सेवाओं हेतु रेफरल का प्रशिक्षण दिया जाएगा एमएन एचपी जिला नोडल अधिकारी डॉ. सुमित मित्तल ने बताया कि इन मॉड्यूलों का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना मानसिक समस्याओं की शीघ्र पहचान को प्रोत्साहित करना सहायता लेने में झिझक को कम करना तथा समाज में आत्महत्या रोकथाम के लिए एक सक्षम एवं संवेदनशील सहयोगी तंत्र विकसित करना है।उन्होंने जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों सरकारी एवं निजी विभागों तथा सामाजिक संगठनों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता करने और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को जन-जन तक पहुँचाने की अपील की।

सड़क दुर्घटना में घायल की मदद करने वालों को मिलेगी 10 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि बनें गुड सेमेरिटन

धौलपुर । सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की समय पर मदद कर उसका जीवन बचाने वाले आम नागरिक अब मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षक योजना के तहत सम्मानित किए जाएंगे। योजना के अंतर्गत ऐसे गुड सेमेरिटन (भले व्यक्ति) को राज्य सरकार द्वारा 10 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा ने बताया कि सड़क दुर्घटना के बाद प्रारंभिक समय जिसे गोल्डन ऑवर कहा जाता है, घायल व्यक्ति के जीवन को बचाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के घायल को निकटतम चिकित्सा संस्थान तक पहुंचाने में मदद करता है तो वह न केवल एक जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षक योजना के तहत सम्मान का भी पात्र बन सकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि सड़क दुर्घटना के दौरान घायल व्यक्ति की सहायता करने से घबराएं नहीं। कानून भी गुड सेमेरिटन को संरक्षण प्रदान करता है तथा राज्य सरकार ऐसे संवेदनशील नागरिकों को सम्मानित कर समाज में मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा दे रही है।

डा0 बबीता सिंह चौहान मा.अध्यक्ष 30 प्र0 राज्य महिला आयोग द्वारा 01 अगस्त को नवीन सर्किट हाउस सभागार में करेंगी महिला जनसुनवाई

जनपद में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एंव पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलानें के लिये होगी महिला जनसुनवाई।

पीड़ित महिलाएं अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर जनसुनवाई से उठाएं लाभ

आगरा.28.07.2026/मा0 अध्यक्ष, राज्य महिला आयोग, उ0प्र0 शासन डा0 बबीता चौहान जी का जनपद भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है।

मा0 अध्यक्ष महोदया दिनांक 01.08.2026 को प्रातः 11 बजे नवीन सर्किट हाउस सभागार में उ0प्र0 महिला आयोग शासन के क्रम में आयोजित महिला कल्याण, बाल विकास व पुष्टाहार, समाज कल्याण, स्वास्थ्य विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, पंचायती राज विभाग, कौशल विकास विभाग परिवहन विभाग, मातृ शिशु एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संचालित महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक तथा जनपद में महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की पुलिस आयुक्त अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एवं सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा बैठक/महिला जनसुनवाई की जायेगी। महिला जनसुनवाई में अपने अपने विभाग की सूचनायें लेकर संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे तथा प्राप्त आवेदनों का निस्तारण किया जाएगा। मा0 राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष द्वारा दिनांक 01.08.2026 को प्रातः 11 बजे जनपद में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एंव पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलानें के लिये महिला जनसुनवाई की जाएगी।

राजकीय एवं निजी आईटीआई में प्रवेश का सुनहरा अवसर, 04 अगस्त तक करें ऑनलाइन आवेदन

आगरा.28.07.2026/प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने अवगत कराया है कि जनपद आगरा के समस्त राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश सत्र 2026-27 हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी 11 जुलाई 2026 से राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (SCVTUP) की आधिकारिक वेबसाइट www.scvtup.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने आगे यह भी अवगत कराया है कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए आवेदन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं दिशा-निर्देश वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित समयावधि में आवेदन करने का अनुरोध किया गया है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 4 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है।

जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल जी ने,27वें कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को किया सम्मानित

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के तत्वाधान में कलेक्ट्रेट सभागार में अमर शहीदों को श्रद्धांजलि, गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

आगरा (निज संवाददाता)। आज जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल जी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 27वें कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में गोष्ठी तथा पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न युद्धों में राष्ट्र के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई, कारगिल युद्ध के वीर जवानों के परिवारों को अंगवस्त्रम और उपहार देकर सम्मानित करने के साथ,वीर नारियों एवं पूर्व सैनिकों को भी सम्मानित किया गया।

जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल जी ने इस अवसर पर गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि देश के लिए बलिदान, 'परम बलिदान' है, देश की सीमाओं की रक्षा हेतु जान न्योछावर करने की शब्दों में कृतज्ञता बयान नहीं की जा सकती, प्रतिवर्ष कारगिल विजय दिवस पर हम सभी अपने अमर शहीदों को याद करते हैं, जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व सैनिक समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, उनका उत्साह, ऊर्जा, अपने देश व समाज के प्रति रिटायरमेंट के बाद भी अनुकरणीय है, उन्होंने पूर्व सैनिकों का आह्वान करते हुए कहा कि अपने अनुभव, जज्बा से देशभक्ति से ओतप्रोत अच्छे नागरिकों को तैयार करने में भूमिका निभाएं, अपने आसपास, कॉलोनी में देश के गौरवमयी संघर्ष यात्रा, युद्धों के इतिहास के बारे में आगामी पीढ़ी को जानकारी दें, आप, हम सभी ने जो भारत देखा है, नई जेनरेशन जो भारत देख रही है दोनों की स्थिति अलग है जिलाधिकारी ने कहा कि मिलेनियर,जेन-जी, जेन - अल्फ़ा पीढ़ियों की सोच व काम करने के तरीके अलग है, देश के प्रति उनमें सकारात्मक सोच का विकास, संविधान,सामाजिक मूल्यों के संस्कार देने, आगामी विकसित भारत हेतु अपने समृद्ध इतिहास को याद करने, आगे बढ़ने, सशक्त देश निर्माण हेतु अपना योगदान दें, शहीदों के परिजनों, पूर्व सैनिकों के साथ प्रशासन अपनी सकारात्मक भूमिका हेतु साथ है। जिलाधिकारी ने वीर सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया, उन्होंने कहा कि कारगिल के अमर शहीदों का त्याग हम सभी को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा।

27वां कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित गोष्ठी में पूर्व सैनिकों, अधिकारियों, वक्ताओं ने संबोधित किया, गोष्ठी में बताया गया कि कारगिल विजय दिवस 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को याद करने का अवसर है। उन्होंने बताया कि इस युद्ध में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों और घुसपैठियों से देश की संप्रभुता की रक्षा करते हुए एक-एक इंच भूमि को मुक्त कराया था।

कारगिल विजय दिवस भारतीय इतिहास में शौर्य और राष्ट्र प्रेम का प्रतीक है। इस दिन देश, उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिन्होंने विश्व के सबसे दुर्गम युद्ध क्षेत्रों में से एक में असाधारण पराक्रम दिखाया

कारगिल युद्ध के बाद भारत ने अपनी रक्षा तैयारियों, खुफिया समन्वय, सीमा अवसंरचना और सैन्य आधुनिकीकरण में व्यापक सुधार किए हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति, तीनों सेनाओं के बीच संयुक्त संचालन, सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क और सुरंग निर्माण, आधुनिक निगरानी प्रणाली और 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने जैसे कदमों ने देश की सामरिक क्षमता को मजबूत किया है।

गोष्ठी में अपर जिलाधिकारी प्रोटोकॉल श्री अमरेंद्र कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हेमंत कुमार,जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन सुनील कुमार सहित पूर्व सैनिक, वीर नारियों, शहीदों के आश्रितों की मौजूदगी रही।

कलेक्टर ने पोरसा में सुनीं जनसमस्याएं मौके पर ही कई शिकायतों का किया निराकरण

नामांतरण बंटवारा सीमांकन खाद एवं फार्मर आईडी सहित विभिन्न मामलों पर दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

सीमांकन में लापरवाही एवं रिश्वत मांगने की शिकायत पर पटवारी तत्काल प्रभाव से निलंबित

मुरैना (निज संवाददाता)। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने मंगलवार को पोरसा तहसील कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अंबाह एवं पोरसा क्षेत्र से आए नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसुनवाई में नामांतरणए बंटवाराए सीमांकनए खाद उपलब्धताए फार्मर आईडीए राजस्व प्रकरणों तथा विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों को लेकर बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को समय.सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कई शिकायतों का मौके पर ही निराकरण कर आवेदकों को तत्काल राहत प्रदान की गई। जनसुनवाई के दौरान ग्राम गढ़िया निवासी श्री रामानंद सिंह पुत्र श्री हरिनारायण सिंह तोमर ने भूमि सीमांकन में वर्षों से हो रही लापरवाही की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि ग्राम गढ़िया स्थित सर्वे क्रमांक 1283ए 1286ए 1289ए 1293ए 1296 एवं 1298 तथा ग्राम रिठवारी के सर्वे क्रमांक 189 की भूमि के सीमांकन के लिए वर्ष 2021 में आवेदन प्रस्तुत किया गया थाए लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं की गई। आवेदक ने संबंधित पटवारी पर रिश्वत मांगने का भी आरोप लगाया। शिकायत को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री जांगिड़ ने प्रथम दृष्टया कर्तव्य के प्रति लापरवाही पाए जाने पर हल्का क्रमांक.69 के पटवारी श्री मनोज तोमर को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए तथा मामले की विस्तृत जांच कराने के भी निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 130 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 31 आवेदन गंभीर प्रकृति के पाए गएए जिन्हें तत्काल टीएल प्रकरण के रूप में दर्ज कर संबंधित विभागों को निराकरण हेतु प्रेषित किया गया। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन पर आवश्यक रिमार्क अंकित करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का नियमानुसार शीघ्र पारदर्शी एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाएए ताकि आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनसुनवाई में वार्ड क्रमांक.18 अंबाह निवासी श्री मुनेश ने औकाफ की भूमि के सर्वे क्रमांक 1107 पर अवैध कब्जे की शिकायत प्रस्तुत की। ग्राम धर्मगढ़ निवासी श्री चरण सिंह ने किसान कल्याण योजना का लाभ दिलानेए ग्राम प्रेमपुरा निवासी श्री फोदल सिंह ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति ;अत्याचार निवारणद्ध अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कराने तथा ग्राम नगरा निवासी श्री आकाश सिंह तोमर ने ग्राम पंचायत में सीसी सड़क निर्माण कराए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने सभी मामलों में संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री जांगिड़ ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई शासन की महत्वपूर्ण व्यवस्था हैए जिसके माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाता है। इसलिए प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण करते हुए संवेदनशीलताए पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ समय.सीमा में निराकरण किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्वद्ध श्रीमती प्रतिज्ञा शर्माए तहसीलदार श्री नरेश शर्मा मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री अवधेश सिंह सेंगरए परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती सपना यादवए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री नरेंद्र सिंह तोमरए बीआरसी श्री शैलेंद्र सिंह तोमर विद्युत विभाग के कनिष्ठ यंत्री श्री विवेक सिंह भदौरिया ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. शैलेंद्र सिंह तोमर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमती सुनीता शर्मा नायब तहसीलदार श्री श्याम सुंदर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्यान विभाग की योजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित, वर्ष 2026-27 के लक्ष्य प्राप्त होने पर लाभार्थियों का चयन 'प्रथम आवक-प्रथम पावक' के आधार पर होगा

उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने का सुनहरा अवसर, इच्छुक किसान शीघ्र करें आवेदन

आगरा (निज संवाददाता)। जिला उद्यान अधिकारी, आगरा श्री मनोज कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में नवीन गाइडलाइन के अनुसार उद्यान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत जनपद को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हो चुकी है। इनमें मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना, अनुसूचित जाति/जनजाति कृषक औद्यानिक विकास कार्यक्रम तथा एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत फल, सब्जी, पुष्प उत्पादन, मसाला फसल, संरक्षित खेती, कृषि यंत्रीकरण एवं मधुमक्खी पालन सहित विभिन्न योजनाएं शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि योजनाओं के अंतर्गत संकर शाकभाजी, टमाटर, मिर्च, शिमला मिर्च, प्याज, लहसुन, गुलाब, गेंदा, स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, पपीता, जामुन, आंवला, अमरूद, अनार, पुष्प उत्पादन, शेडनेट/स्ट्रक्चर, कृषि यंत्र (पावर टिलर, पावर नैपसेक स्प्रेयर आदि), ड्रिप सिंचाई तथा मधुमक्खी पालन इकाइयों सहित विभिन्न मदों में निर्धारित लक्ष्य प्राप्त किए गए हैं।

जिला उद्यान अधिकारी ने इच्छुक कृषकों से अपील की है कि वे विभागीय डीबीटी पोर्टल https://dbt.uphorticulture.in/ पर ऑनलाइन आवेदन करें तथा आवेदन के साथ स्वयं एवं खेत के फोटो, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी, किसान आईडी, जाति प्रमाण-पत्र (जहां लागू हो) तथा 10 रुपये के स्टाम्प पर नोटरीकृत शपथ-पत्र सहित आवश्यक अभिलेख जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय, आगरा में जमा करें।

उन्होंने बताया कि लाभार्थियों का चयन 'प्रथम आवक-प्रथम पावक' के सिद्धांत के आधार पर किया जाएगा। योजनाओं का लाभ पूर्णतः निःशुल्क है तथा पात्र कृषक समय से आवेदन कर इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए किसान जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय, आगरा से संपर्क कर सकते हैं अथवा विभागीय ई-मेल ddhag-up@nic.in पर संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सर्वांगीण विकास और बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए 2 हजार 480 करोड़ रूपये की स्वीकृति

आई टी पार्क स्थापना की निरंतरता को मंजूरीः 8000 को मिलेगा रोजगार

महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स 2026 के आयोजन के लिए 18 करोड़ 74 लाख रूपये की सैद्धांतिक स्वीकृति

रिहन्द माइक्रो सिंचाई परियोजना के लिए 111 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मल्हारगढ़ दाबयुक्त वृहद उद्वहन सिंचाई परियोजना के संचालन के लिए 184 करोड़ रूपये की स्वीकृति

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना सहित विभिन्न योजनाओं के लिए 857 करोड़ रूपये की स्वीकृति

संकल्प-हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ़ वुमेन, शक्ति सदन और सखी निवास के लिए 198 करोड़ रूपये की स्वीकृति

ग्वालियर में वि?द्युत सुरक्षा निरीक्षकालय के नवीन वृत्त की स्थापना को मंजूरी

नारायणगढ़ में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सहित 9 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति

आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के संचालन के लिए 129 करोड़ रूपये की स्वीकृति

कर्मचारी कल्याण, पेंशन, भविष्य निधि और बीमा योजनाओं के लिए 982 करोड़ रूपये की स्वीकृति

समर्थन मूल्य पर उपार्जन पर किसानों को बोनस भुगतान योजना की निरंतरता की स्वीकृति

मध्यप्रदेश विधिक माप विज्ञान नियम, 2011 में संशोधन की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार और जनकल्याण को गति देने के लिए लगभग 2 हजार 480 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई। बैठक में खेल गतिविधियों, सिंचाई, महिला सशक्तिकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और किसान कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगाई गई।

प्रमुख निर्णयों में अक्टूबर 2026 में भोपाल में 'महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी' के भव्य आयोजन के लिए 18 करोड़ 74 लाख रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई, जिससे राज्य की खेल अवसंरचना और पर्यटन को वैश्विक पहचान मिलेगी। कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए रिहन्द एवं मल्हारगढ़ सिंचाई परियोजनाओं और किसानों को समर्थन मूल्य पर बोनस भुगतान योजना की निरंतरता को मंजूरी मिली। प्रदेश को तकनीकी रूप से अग्रणी बनाने के उद्देश्य से आईआईएसईआर (ढ्ढढ्ढस्श्वक्र) भोपाल में ड्रोन टेक्नोलॉजी आधारित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' और आईटी पार्कों के विकास के लिए 857 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। इन निर्णय में आई टी पार्क की स्थापना के वर्ष 2031 तक संचालन की निरंतरता की स्वीकृति महत्वपूर्ण है ,इसके तहत करीब 8000 युवाओं को रोजगार मिल सकेगा। 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण के लिए 198 करोड़ रुपये, कर्मचारी कल्याण एवं पेंशन योजनाओं के लिए 982 करोड़ रुपये और ग्वालियर में विद्युत सुरक्षा के निरीक्षकालय के नवीन वृत्त कार्यालय और नारायणगढ़ में 9 नए न्यायिक पदों के सृजन को भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2026 के भोपाल में आयोजन के लिए 18 करोड़ 74 लाख रूपये की सैद्धांतिक स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने माह अक्टूबर 2026 में महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2026 के भोपाल के बरखेड़ा नाथू में स्थित अन्तर्राष्ट्रीय स्पोटर्स कॉम्पलेक्स में आयोजन के लिए संभावित व्यय राशि 18 करोड़ 74 लाख रूपये के व्यय की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है।

हॉकी इण्डिया को अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा देश में हॉकी खेल का संचालन, प्रोत्साहन और अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए अधिकृत किया गया है। प्रतियोगिता वर्ष 2010 से निरन्तर 2 वर्ष के अन्तराल में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने का मुख्य उद्?देश्य एशियाई महिला हॉकी टीमों की प्रतिभा को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करना है। महिला एशियन हॉकी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2026 में एशिया की प्रमुख 6 महिला टीमों (भारत, चीन, जापान, मलेशिया, साउथ कोरिया, एवं थाईलैण्ड) के लगभग 200 खिलाडी व सपोर्ट स्टॉफ के सम्मिलित होने की संभावना है।

यह अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता हॉकी इण्डिया और खेल और युवा कल्याण विभाग ?द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जायेगी। अनुबंध अनुसार हॉकी इण्डिया को खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा 'पेजेंटिंग पार्टनर' राईटस के लिए 11 करोड़ रूपये दिये जाएंगे। अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए विभाग दवारा 7 करोड़ 74 लाख रूपये का व्यय किया जायेगा। इस प्रकार आयोजन पर लगभग 18 करोड़ 74 लाख रूपये का व्यय होना संभावित है।

भोपाल के बरखेड़ा नाथू में अन्तर्राष्ट्रीय स्पोटर्स कॉम्पलेक्स को नवीन एवं आधुनिक तकनीकों के अनुरूप अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए तैयार किया गया है। एशिया स्तर की अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन से वैश्विक स्तर पर मध्यप्रदेश में निर्मित खेल अधोसरंचना का प्रचार प्रसार होगा। इससे प्रदेश के हॉकी खिलाड़ियों के मनोबल में वृ?द्धि होगी और एशिया के प्रमुख देशों से सम्मिलित हुई टीमों के खिलाड़ियों के भोपाल आगमन से प्रदेश में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

रिहन्द माइक्रो सिंचाई परियोजना के संचालन के लिए 111 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने सिंगरौली की रिहन्द माइक्रो सिंचाई परियोजना को सोलहवें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 111 करोड़ 4 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। रिहन्द माइक्रो सिंचाई परियोजना का मुख्य उद्देश्य गोविन्द वल्लभ पंत सागर रिजर्वायर (रिहन्द नदी पर स्थित) से संचित जल का उद्वहन कर सिंगरौली, माड़ा, वैढन और जावद तहसील के 119 गांवों में 38,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से सिंचाई के लिए जल प्रदान करना है।

मल्हारगढ़ दाबयुक्त वृहद उद्वहन सिंचाई परियोजना के संचालन के लिए 184 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने मंदसौर की मल्हारगढ़ दाबयुक्त वृहद उद्वहन सिंचाई परियोजना के सोलहवें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 184 करोड़ 20 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। मल्हारगढ़ दाबयुक्त वृहद उद्वहन सिंचाई परियोजना लिफ्ट सिंचाई परियोजना है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मंदसौर जिले की 46,500 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करना है।

ड्रोन टेक्नोलॉजी पर आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना सहित विभिन्न योजनाओं के लिए 857 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने आईसर में ड्रोन टेक्नोलॉजी पर आधारित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए 85 करोड़ 51 लाख रूपये सहित विज्ञान एवं प्रौ?द्योगिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं के सोलहवें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 857 करोड़ 21 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है।

आई टी पार्क स्थापना की निरंतरता को मंजूरीः 8000 को मिलेगा रोजगार

प्रदेश में आईटी पार्क की स्थापना' संबंधी योजना के लिए 595 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना अंतर्गत प्रदेश में इन्दौर, भोपाल, जबलपुर एवं ग्वालियर में आई.टी. पार्को की स्थापना की गयी है। आई.टी. पार्क एवं आई.टी. टावर्स की स्थापना से प्रदेश में आधुनिक तकनीकी अधोसंरचना का विकास होगा जिससे देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित कर निवेश एवं औ?द्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। परिणामस्वरुप प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे तथा 8000 से अधिक स्थानीय युवाओं को कौशल आधारित रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उल्लेखनीय है कि अब तक लगभग 22000 युवाओ को रोजगार प्राप्त हो चुका है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (त्वढ्ढस्) के अंतर्गत संपादित एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से आई.टी. एवं ई.एस.डी.एम. क्षेत्र का विस्तार होगा जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुदृढ होगी। डिजिटल एवं तकनीकी दक्षता में वृद्धि होगी तथा मध्यप्रदेश राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक उभरते तकनीकी एवं निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित होगा।

दतिया में कांग्रेस की जन आशीर्वाद रैली में उमड़ी भीड़, जीतू पटवारी बोले- जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है

दतिया, 28 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन मंगलवार को कांग्रेस प्रत्याशी कुँवर घनश्याम सिंह के समर्थन में निकाली गई जन आशीर्वाद रैली में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी देखने को मिली। रैली को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दावा किया कि दतिया की जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है और कांग्रेस प्रत्याशी कुँवर घनश्याम सिंह 25 हजार से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीतेंगे।

रैली में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव, पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, जयवर्धन सिंह, प्रियव्रत सिंह, फूल सिंह बरैया सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'जनता भाजपा के दावों का जवाब देगी '

जीतू पटवारी ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस नेताओं को हर क्षेत्र में परिवर्तन की स्पष्ट जनभावना दिखाई दी है। उनका दावा था कि भाजपा के विकास संबंधी दावों की सच्चाई अब जनता के सामने आ चुकी है और मतदाता इस उपचुनाव में लोकतंत्र, पारदर्शिता, विकास और जनहित के पक्ष में अपना जनादेश देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने प्रदेश में भय और दबाव का माहौल बनाने का प्रयास किया है, लेकिन दतिया की जनता लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देने के लिए तैयार है। पटवारी ने कहा कि जनता का उत्साह बता रहा है कि कांग्रेस इस उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। दिग्विजय सिंह ने कार्यकर्ताओं से बूथों पर डटने का आह्वान किया पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उपचुनाव को लोकतंत्र और जनहित की लड़ाई बताते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मतदान के दिन प्रत्येक बूथ पर सक्रिय रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि हर मतदाता तक पहुंचकर उसे मतदान के लिए प्रेरित करना पार्टी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। दिग्विजय सिंह ने मतदाताओं से सुबह ही मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने और कांग्रेस प्रत्याशी कुँवर घनश्याम सिंह के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

दतिया उपचुनावः भाजपा ने विकास के नाम पर मांगा जनसमर्थन, कांग्रेस पर साधा निशाना

दतिया/भोपाल, 28 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के अंतिम चरण में भारतीय जनता पार्टी ने विकास को प्रमुख मुद्दा बताते हुए मतदाताओं से समर्थन की अपील की। मंगलवार को दतिया के मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने पार्टी की विकास योजनाओं को सामने रखते हुए कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला बोला।

हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि दतिया विधानसभा का यह उपचुनाव केवल एक सीट का चुनाव नहीं, बल्कि क्षेत्र के भविष्य और विकास का चुनाव है। उन्होंने दावा किया कि प्रचार अभियान के दौरान भाजपा को जनता का अभूतपूर्व समर्थन और विश्वास मिला है, जो मतदान के दिन भी दिखाई देगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने दतिया में मेडिकल कॉलेज, एयरपोर्ट, सड़क नेटवर्क, सिंचाई परियोजनाओं, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। आने वाले समय में हजारों करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित डिफेंस पार्क दतिया के औद्योगिक विकास और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर लेकर आएगा।

'ढाई साल विकास रुका, अब फिर मिलेगी रफ्तार '

खंडेलवाल ने आरोप लगाया कि पिछले ढाई वर्षों में दतिया का विकास प्रभावित हुआ और कई योजनाएं ठप रहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर विकास कार्यों को फिर से गति मिलेगी। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि उनका प्रत्येक वोट विकसित, समृद्ध और सुरक्षित दतिया के निर्माण में योगदान देगा।

कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस पर चुनाव प्रचार के दौरान भ्रम फैलाने और निराधार आरोप लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पूरा चुनाव अभियान नकारात्मक राजनीति पर आधारित है और पार्टी संभावित हार को देखते हुए पहले से ही चुनाव आयोग, प्रशासन और अन्य संस्थाओं पर सवाल उठा रही है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने का प्रयास करेगी।

'दतिया का विकास भाजपा ही कर सकती है '

वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि दतिया के विकास का भरोसा केवल भाजपा ही दे सकती है। उन्होंने कांग्रेस पर वंशवाद और परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने वाली पार्टी है और आशुतोष तिवारी एक समर्पित एवं जमीनी कार्यकर्ता हैं।

डॉ. मिश्रा ने कांग्रेस नेतृत्व पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'कांग्रेस में राजा के पास राज्य नहीं और पटवारी के पास हल्का नहीं है।' उन्होंने दावा किया कि दतिया की जनता विकास, सुशासन और स्थिर नेतृत्व के पक्ष में मतदान करेगी।

भाजपा नेताओं ने अंत में मतदाताओं से 30 जुलाई को कमल के चुनाव चिन्ह के पक्ष में मतदान कर भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को विजयी बनाने की अपील की। पत्रकार वार्ता में प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल और सोशल मीडिया प्रदेश संयोजक सुयश त्यागी भी मौजूद रहे।

दतिया उपचुनावः बूथ कार्यकर्ता ही भाजपा की जीत की सबसे बड़ी ताकत, डॉ. महेंद्र सिंह का कार्यकर्ताओं से आह्वान

दतिया/भोपाल, 28 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव के मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी ने बूथ प्रबंधन और अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने पर पूरा जोर दिया है। इसी क्रम में भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने मंगलवार को दतिया विधानसभा के सीतापुर मंडल के सिरोल शक्ति केंद्र की बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं से मतदान के दिन पूरी सक्रियता और अनुशासन के साथ जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर का संगठन है। उन्होंने कहा कि पार्टी की सफलता का आधार बूथ अध्यक्ष, पोलिंग एजेंट, पन्ना प्रमुख और समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिनकी मेहनत और संगठनात्मक क्षमता चुनावी जीत सुनिश्चित करती है।

'प्रत्येक वोट वर्षों की मेहनत का परिणाम '

उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार का चरण पूरा हो चुका है और अब संगठन की पूरी ऊर्जा मतदान के दिन अधिकतम मतदान सुनिश्चित कराने पर केंद्रित होनी चाहिए। उनके अनुसार, मतदान का प्रत्येक वोट संगठन और कार्यकर्ताओं की वर्षों की मेहनत का परिणाम होता है, इसलिए मतदान दिवस पर पूरी सतर्कता, अनुशासन और सक्रियता के साथ कार्य करना आवश्यक है। प्रदेश प्रभारी ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे मतदान समाप्त होने तक अपने-अपने बूथों पर डटे रहें, मतदाताओं से लगातार संपर्क बनाए रखें और निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित मतदान में सहयोग करें।

बूथ स्तर की रणनीति पर दिया जोर

डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई है। अब उस मेहनत को मतदान के दिन परिणाम में बदलने का समय है। उन्होंने बूथ अध्यक्षों, पोलिंग एजेंटों और पन्ना प्रमुखों से कहा कि वे आपसी समन्वय के साथ बूथ स्तर की माइक्रो प्लानिंग को प्रभावी ढंग से लागू करें और अधिक से अधिक समर्थक मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने का प्रयास करें।

बैठक के अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा का मजबूत संगठन, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता का समर्थन मिलकर दतिया विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की जीत का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुष्मान भारत योजना में मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर दी बधाई

बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, स्वास्थ्य विभाग, आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश की टीम तथा योजना से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का मध्यप्रदेश में प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर यह सम्मान प्राप्त हुआ है। मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने भी इस उपलब्धि पर शुभकामनाएँ दीं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समीक्षा बैठक (चिंतन शिविर) में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को 'बेस्ट परफॉर्मिंग लार्ज स्टेट - हाइएस्ट प्री-ऑथराइजेशंस विद बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन' श्रेणी में राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स की शॉट पुट स्पर्धा में भारत की बेटियों ने बढ़ाया मान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सुश्री शर्मिला धनकड़ को स्वर्ण और सुश्री शिल्पा शायला को कांस्य पदक जीतने पर दीं बधाई

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण और कांस्य पदक जीतने वाली सुश्री शर्मिला धनकड़ और सुश्री शिल्पा शायला को बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। उल्लेखनीय है कि ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स - 2026 के महिलाओं का शॉट पुट एफ-57 इवेंट स्पर्धा में सुश्री धनकड़ ने स्वर्ण और सुश्री शायला ने कांस्य पदक अपने नाम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि बेटियां भारत का मान बढ़ा रही हैं। सुश्री शर्मिला धनकड़ और सुश्री शिल्पा शायला की मेहनत, हौसला और लगन देश के सभी युवाओं के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होंगी।

एसपी वर्मा ने सड़क पर उतरकर लिया यातायात व्यवस्था का जायजा

- दीपेन्द्र बोहरे -

भिण्ड। शहर में दिनों-दिन बढ़ती यातायात समस्याओं और जाम की स्थिति से आमजन को राहत दिलाने के लिए पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा एक्शन मोड में आ गए हैं। मंगलवार को उन्होंने पुलिस बल के साथ शहर की यातायात व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से व्यस्ततम इन्दिरा गांधी चौराहे का पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ यातायात प्रभारी राघवेन्द्र भार्गव एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद रहा। एसपी ने मुख्य मार्गों और चौराहों पर सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए यातायात प्रभारी को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

अतिक्रमण और अवैध पार्किंग पर कसेगा शिकंजा : इन्दिरा गांधी चौराहे पर निरंतर लगने वाले जाम को देखते हुए एसपी सूरज कुमार वर्मा ने निर्देश दिए कि चौराहे के आस-पास किसी भी प्रकार का अस्थाई अतिक्रमण न रहने दिया जाए। इसके साथ ही बेतरतीब वाहन पार्क करने वालों और दुकानों के बाहर सामान फैलाने वाले दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी गई। एसपी ने स्पष्ट कहा कि शहर की सड़कों पर यातायात को सुगम बनाना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। इन्दिरा गांधी चौराहा शहर का मुख्य केन्द्र है, यहां किसी भी स्थिति में यातायात बाधित नहीं होना चाहिए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाए।

यातायात प्रभारी को दिए निर्देश

सख्त पेट्रोलिंगः चौराहे व आस-पास के क्षेत्रों में यातायात पुलिसकर्मियों की नियमित तैनाती सुनिश्चित की जाए।

अतिक्रमण हटानाः ऑटो चालकों और हाथ ठेलों के लिए निर्धारित स्थान तय किए जाएं ताकि वे मुख्य सड़क पर रुकावट न बनें।

जागरूकता व चालानी कार्रवाईः यातायात नियमों (जैसे हेलमेट, सीटबेल्ट और नो-पार्किंग) का पालन कराने के लिए अभियान चलाया जाए।

निरीक्षण के दौरान यातायात प्रभारी राघवेन्द्र भार्गव ने एसपी को अवगत कराया कि चौराहे पर सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए जल्द ही नए प्रयास और पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन किया जा रहा है। एसपी के इस औचक निरीक्षण के बाद से ही शहर के वाहन चालकों और अतिक्रमणकारियों में हड़कंप देखा जा रहा है।

फूप में औषधि निरीक्षक की छापामार कार्रवाई, 9 मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस निलंबित

- दीपेन्द्र बोहरे -

भिण्ड। कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा एवं सीएमएचओ डॉ. जेएस यादव के निर्देशों के पालन में जिले में अवैध दवाओं के क्रय-विक्रय और नियमों की अनदेखी करने वाले मेडिकल स्टोरों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। इसी क्रम में औषधि निरीक्षक डॉ. आकांक्षा गरुड़ ने फूप क्षेत्र के कई मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण कर सघन जांच की। वहीं दूसरी ओर पूर्व में दिए गए नोटिस का संतोषजनक जवाब न देने पर जिले के 9 मेडिकल संस्थानों के लाइसेंस निलंबित कर उनके क्रय-विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है।

फूप में मेडिकल स्टोर्स की सघन जांच : औषधि निरीक्षक डॉ. आकांक्षा गरुड़ ने फूप स्थित विकास मेडिकल एजेंसी, महावीर मेडिकल स्टोर, गोविन्द मेडिकल स्टोर, अशोक मेडिकल स्टोर, अभई मेडिकल स्टोर, महावीर मेडिकल स्टोर एवं जैन मेडिकल स्टोर का अचानक निरीक्षण किया। इस दौरान दुकानों के लाइसेंस, दवाइयों की एक्सपायरी डेट और पंजीकृत फार्मासिस्टों की उपस्थिति की बारीकी से जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान डॉ. गरुड़ ने कड़े निर्देश दिए कि बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपस्थिति के मेडिकल स्टोर का संचालन किसी भी सूरत में न किया जाए। इसके साथ ही नशीली दवाओं के रूप में इस्तेमाल होने वाली औषधियों के क्रय-विक्रय का सटीक रिकार्ड रखने और बिना डॉक्टर के पर्चे के शेड्यूल दवाओं की बिक्री न करने की सख्त हिदायत दी।

पर 9 मेडिकल निलंबित :

दवा बाजार में पाई जाने वाली अनियमितताओं पर सख्त कदम उठाते हुए औषधि निरीक्षक ने जिले के 9 मेडिकल स्टोरों को निलंबित कर दिया है। डॉ. आकांक्षा गरुड़ ने बताया कि विगत दिनों मिहोना, लहार, रौन, पिथनपुरा और गोहद के कई मेडिकल स्टोरों पर निरीक्षण के दौरान भारी खामियां पाई गई थीं, जिस पर उन्हें नोटिस जारी किए गए थे। दुकान संचालकों द्वारा नोटिस का संतोषजनक उत्तर न देने पर यह दण्डात्मक कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान इन सभी 9 मेडिकल संस्थानों के किसी भी प्रकार के क्रय-विक्रय पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

संतोषजनक जवाब न मिलने पर निलंबित: मिहोना में गिर्राज मेडिकल स्टोर, शीला मेडिकल स्टोर, लहार में विनय मेडिकल स्टोर, श्रीगणेश मेडिकल स्टोर, मां शारदा मेडिकल स्टोर, रौन में विधि मेडिकल स्टोर, पिथनपुरा में नरवरिया ड्रग हाउस, गोहद में राज मेडिकल स्टोर, अनिल मेडिकल स्टोर।

इनका कहना है:

'मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने और औषधि अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कठोर वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।'

डॉ. आकांक्षा गरुड़, औषधि निरीक्षक भिण्ड

गायत्री प्रज्ञापीठ पर गुरू पूर्णिमा महापर्व एवं श्रद्धांजलि-समर्पण समारोह आज

भिण्ड (निज संवाददाता)। अखिल विश्व गायत्री परिवार गायत्री प्रज्ञापीठ भिण्ड गुरु पूर्णिमा महापर्व एवं विशेष श्रद्धांजलि-समर्पण समारोह का आयोजन 29 जुलाई को गायत्री प्रज्ञापीठ कुम्हरौआ रोड भिण्ड में सुबह 8 बजे से किया जाएगा। जिसमें गुरु पूजन एवं गुरु वंदना, मां गायत्री पूजन, दिव्य शक्ति कलश पूजन, सामूहिक गायत्री महायज्ञ, प्रज्ञा प्रवचन एवं संस्कार के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा।

गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य की दिव्य प्रेरणा एवं करकमलों द्वारा माघ शुक्ल द्वितीया बुधवार संवत 2038, 27 जनवरी 1982 को गायत्री प्रज्ञापीठ भिण्ड में मां गायत्री की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई थी। यह पावन स्थान आज भी गुरुसत्ता की चेतना एवं तपशक्ति का जीवंत केन्द्र है। वर्तमान समय में इस पावन प्रज्ञापीठ पर शांतिकुंज हरिद्वार से लाया गया दिव्य शक्ति कलश भी विधिवत प्रतिष्ठित है, जो युगऋषि की आध्यात्मिक ऊर्जा एवं अखण्ड साधना का प्रेरणा स्त्रोत है। गुरु पूर्णिमा के परम पावन अवसर पर आपकी उपस्थिति की कामना करते हैं। हम सभी गुरुदेव के श्रीचरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित करें, मां गायत्री का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा शक्ति कलश के दिव्य सानिध्य में सामूहिक उपासना, यज्ञ एवं गुरु-वंदना के पुण्य अवसर के सहभागी बनें।

लोड सेटिंग के नाम पर घण्टों कटौती, किसान परेशान, चारों तरफ मची हा-हाकार

लहार में किसानों ने विद्युत विभाग के अधिकारी के छुए पैर, फिर भी नहीं रेंगी अधिकारियों के कानों मे जूं

लहार (निज संवाददाता)। लहार क्षेत्र में लोड सेटिंग के नाम पर घण्टों कटौती जारी है, जिससे क्षेत्र में आम नागरिकों से लेकर किसान सभी में हा-हाकार मची हुई है। जिसको लेकर किसान लगातार विद्युत विभाग के चक्कर काटकर परेशान होते नजर आ रहे हैं।

बता दें कि अभी किसानों की धान की फसल की पौध लग रही है और भीषण गर्मी की वजह से खेतों को पानी की अतिआवश्यकता है। पर बिजली का हाल बुरा है। यहां किसान को समस्या समाधान के नाम पर सिर्फ लोड सेटिंग या फिर लाइन फॉल्ट का बहाना मिलता है और किसान बेचारे अधिकारियो को दण्डवत प्रणाम करके बिजली के लिए गुजारिश करते हैं, फिर भी उन्हें अधिकारियों का नखरा झेलना पड़ता है और जवाब में लोड सेटिंग या लाइन फॉल्ट का बहाना या जल्दी ही समस्या का समाधान होगा, झूटी आशा दिलासा देकर चलता कर दिया जाता है। ताजे मामले के अनुसार आज आलमपुर में छात्रों ने विद्युत विभाग के खराब रवैये के चलते धरना प्रदर्शन किया और लहार में ग्राम टोला, भटपुरा, मेहरा, नानपुरा एवं छिवाउली के किसान अपना जमावड़ा लगाए हुए हैं। अब देखना ये है कि उनकी समस्या का समाधान होता है या केवल झूठी दिलासा से ही मन भरने को मजबूर होना पड़ेगा।

इनका कहना है:

'किसान आए थे, उनसे उनकी समस्या के बारे मे लम्बी चर्चा भी हुई है, जल्दी ही टीम वर्क करवाकर समस्या का समाधान किया जाएगा।'

राजेश तन्वर,
डिवीजन इंचार्ज विद्युत विभाग लहार

2 लाख का 300 किलो संदिग्ध घी जब्त, बिना लाइसेंस चल रहीं 2 दुकानें सील

- भिण्ड में सुशील जैन घी भण्डार से मिलावटी घी जब्त, दुकान बंद

भिण्ड (निज संवाददाता)। जिले में शुद्ध दूध और दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम जिलेभर में लगातार औचक निरीक्षण और नमूना संग्रहण की कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की अलग-अलग टीमों ने भिण्ड शहर और मेहगांव में बड़े पैमाने पर छापेमार कार्रवाई की।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी किरण सैंगर द्वारा भिण्ड शहर में स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान जोशी नगर, इटावा रोड स्थित सुशील जैन घी भण्डार पर चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से मौके पर ही घी की गुणवत्ता जांच की गई। प्रारंभिक जांच में मिलावट की पुष्टि होने पर घी का वैधानिक नमूना लिया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर पाया गया लगभग 300 किलो संदिग्ध घी अनुमानित मूल्य 2 लाख रुपए का जब्त कर लिया गया। इसके अलावा संचालक के पास अनिवार्य खाद्य पंजीयन उपलब्ध न होने के कारण दुकान को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया। इसके साथ ही सीएम हेल्पलाइन पर मिली शिकायत का त्वरित संज्ञान लेते हुए टीम ने सेवा नगर स्थित पंडित किराना स्टोर का निरीक्षण किया। यहां भी बिना खाद्य पंजीयन के कारोबार संचालित पाया गया, जिस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए दुकान को बंद करा दिया गया।

मेहगांव में डेयरी और मिष्ठान भण्डार से कई खाद्य पदार्थों के लिए सैंपल

दूसरी ओर, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रेखा सोनी की अगुवाई में मेहगांव क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। यहां दुग्ध विक्रेता शेरसिंह की गुरुकृपा दूध डेयरी से दूध के 4 अलग-अलग नमूने एकत्रित किए गए। वहीं गोकुल मिष्ठान भंडार एबी रोड से दूध, दही, मावा, घी, पनीर, बेसन के लड्डू एवं टोस्ट के नमूने जांच हेतु लिए गए।

इनका कहना है:

'एकत्र किए गए सभी खाद्य नमूनों को गुणवत्ता एवं मानक स्तरों की विस्तृत जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। मिलावटखोरों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के कड़े प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।'

किरण सेंगर, खाद्य सुरक्षा अधिकारी भिण्ड

मोबाइल कोर्ट की सख्त कार्रवाई, चेकिंग में भागती थार गाड़ी जब्त

- पटाखे की आवाज निकालने वाली बुलट पर लगाया 12 हजार का जुर्माना

भिण्ड (निज संवाददाता)। उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के निर्देशानुसार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भिण्ड डॉ. मनोज गोयल के नेतृत्व में गत दिवस देहात थाने के सामने विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाकर मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान चार पहिया वाहनों में लगी काली फिल्म, अनाधिकृत हूटर, सीट बेल्ट के उपयोग, दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट धारण करने तथा स्कूल बसों के सुरक्षा मानकों की सघन जांच की गई।

चेकिंग के दौरान पुलिस बल ने थार कार क्र. एम.पी.07 ए.के.7765 को रोकने का प्रयास किया, किन्तु वाहन चालक वाहन लेकर भाग गया। देहात थाना पुलिस ने तत्परता से घेराबंदी कर उक्त वाहन को पकड़ लिया। वाहन में लगी अवैध काली फिल्म मौके पर हटाकर जब्त की गई तथा वाहन को सुरक्षार्थ थाना देहात भिण्ड में रखा गया। इसी प्रकार एक बुलट मोटर साइकिल, जिसके संशोधित साइलेंसर से पटाखे (गोली) जैसी तेज आवाज निकल रही थी, को भी जब्त किया गया। इसके अलावा एक अन्य बुलेट मोटर साइकिल के विरुद्ध भी मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

मंगलवार को मोबाइल कोर्ट में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भिण्ड डॉ. मनोज गोयल ने गत दिवस जब्त किए गए वाहनों के प्रकरणों में सुनवाई की। सुनवाई उपरांत संशोधित साइलेंसर लगी बुलेट मोटर साइकिल पर 12 हजार का जुर्माना तथा दूसरी बुलेट मोटर साइकिल पर 5 हजार का जुर्माना अधिरोपित कर वसूल किया। थार वाहन के विरुद्ध भी नियमानुसार चालानी कार्रवाई न्यायालय में की जाएगी। चेकिंग अभियान के दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भिण्ड डॉ. मनोज गोयल, थाना प्रभारी निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत, उपनिरीक्षक विजय शिवहरे, अजय यादव, न्यायालयीन स्टाफ तथा देहात थाने का पुलिस बल उपस्थित रहा।

जनसुनवाई में 164 आवेदकों के प्रकरणों की हुई सुनवाई

भिण्ड (निज संवाददाता)। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आए 164 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत वीरसिंह चौहान, अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय ने भी आवेदकों की समस्याओं पर जन सुनवाई की।

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने गंभीर बीमारी से संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण, पेंशन, सड़क दुर्घटना सहायता, हितग्राही मूलक योजनाओं, बीपीएल राशन कार्ड एवं जमीन पर कब्जा से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके संबंध में आवेदक को भी कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

लहार विधायक के प्रभार वाले वार्ड 33 में प्रदेश अध्यक्ष ने सुनी प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

लहार (निज संवाददाता)। दतिया जिले मे चल रहे उपचुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का 136वां एपिसोड लहार विधायक अम्बरीश शर्मा गुड्डू के प्रभार वाले वार्ड 33 के बूथ क्र.110 पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि किसी भी देश की आत्मा वहां के लोग होते हैं, उन्होंने अपनी कला एवं चाय पर भी चर्चा की और जब देश के लोग कोई संकल्प लेते हैं, तो कोई भी शक्ति उन्हें अपने लक्ष्य से डिगा नहीं पाती, राष्ट्र-निर्माण में जन-भागीदारी की यह ताकत भारत के लिए एक बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि देश मे गायन एक कला है एवं अब कुछ समय बाद हमें देश की आजादी की वर्षगांठ भी मनानी है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दीं।

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए दतिया उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के पक्ष मे वोटिंग करने की अपील की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, मण्डल अध्यक्ष, महामंत्री, बूथ अध्यक्ष एवं सभी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनसमस्याओं व अघोषित बिजली कटौती को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

गोहद (निज संवाददाता)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष गुर्जर के नेतृत्व में मंगलवार को गोहद विधानसभा क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न जनसमस्याओं एवं बिजली विभाग द्वारा की जा रही अघोषित विद्युत कटौती के विरोध में प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सुचारु करने, अघोषित बिजली कटौती पर रोक लगाने तथा आमजन से जुड़ी अन्य समस्याओं का शीघ्र समाधान किए जाने की मांग की। कार्यक्रम में गणेशराम शर्मा, मुन्नी भटेले, बृजेन्द्र यादव, जगदीश माहौर, साबू खान, कैलाश माहौर, सुमित त्रिवेदिया, डीपी खन्ना, बालकिशन माहौर, राजेन्द्र परिहार, मुनेश शर्मा, अवधेश शुक्ला, गुड्डी शर्मा, निरपत खटाना, राजू गुर्जर, रामजी गुर्जर, रविंद्र बराड़, धर्मेन्द्र भदोरिया, सरदार प्यारा सिंह, प्रदीप त्रिवेदिया, देवेश केवट, मुन्नेश शर्मा, अब्दुल रिजवान, अजमत अली, गौरव गुर्जर, प्रमोद शुक्ला, पिंकी उच्चाड़िया, रामसाय माहौर, बबलू बरैया, फिरोज स्या, आशीष शर्मा, अजीत त्रिवेदिया, गौरव कोहली, जितेन्द्र अटल सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा
के पावन अवसर पर
श्रद्धेय गुरुजनों को नमन
महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व
अलंकरण समारोह
नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
29 जुलाई, 2026 । गीता भवन
माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन
सांदीपनि विद्यालय
चरण-I एवं II
8.48 लाख+
विद्यार्थी क्षमता
773
विद्यालय
₹24,915
करोड़ का निवेश
शिक्षा का आधुनिक सुदृढ़ीकरण
सांदीपनि विद्यालयों में-
नर्सरी से 12वीं तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
विश्व स्तरीय अधोसंरचना-
सर्वसुविधायुक्त डिजिटल कक्षाएं, स्मार्ट बोर्ड, आधुनिक लैब, कंप्यूटर एवं समृद्ध पुस्तकालय
निःशुल्क और सुरक्षित बस सुविधा-
CCTV निगरानी, प्रशिक्षित स्टाफ के साथ
समग्र व्यक्तित्व विकास-
व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता पर विशेष फोकस
बेहतर परीक्षा परिणाम-
10वीं कक्षा का परिणाम 68 से बढ़कर हुआ 88 प्रतिशत, वर्ष 2026 में 10वीं के 41 विद्यार्थी, 12वीं के 17 विद्यार्थी मेरिट में
BLOCK-B
शासकीय सांदीपनि ठाकुर लाल सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
बैरसिया जिला - भोपाल (म. प्र.)
सीधा प्रसारण
webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D11066/26
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी